

सीआरआरआई सूचना-पत्र

CRRI Newsletter



हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agr#search with a human touch

Vol. 46; No. 4

October-December, 2025 अक्टूबर, - दिसंबर, 2025

ISSN 0972-5865

विषयसूची / CONTENTS

आयोजन

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक ने माननीय प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू की गई प्रमुख कृषि पहलों का सीधा प्रसारण का आयोजन किया.....	1
केंद्रीय कृषि मंत्री का भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक का दौरा ओडिशा के किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पथर.....	2
सीआरआरआई में पीएम-किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त जारी करने की सीधा प्रसारण कार्यक्रम आयोजित.....	3
माननीय क्यूआरटी सदस्यों का भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक का दौरा.....	4
संस्थान ने सक्रिय स्वच्छता प्रयासों के साथ विशेष अभियान 5.0 मनाया.....	5
ईमानदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा: भाकृअनुप-सीआरआरआई.....	6
भाकृअनुप-सीआरआरआई ने अनुसंधान, नवाचार और स्टार्ट-अप परिस्थितिकी तंत्र पर कार्यशाला सहित राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया.....	7
भाकृअनुप-सीआरआरआई में आईएनवाईएस और एनएएस के सहयोग से छात्र आउटरीच कार्यक्रम आयोजित.....	8
अम्लीय मृदा के प्रबंधन हेतु बेसिक स्लेग और फ्लाइ ऐश के पर्यावरण अनुकूल उपयोग पर सीआरआरआई में राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित.....	9
भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक ने श्री चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए किसान सम्मान दिवस मनाया.....	11
प्रशिक्षण कार्यक्रम.....	13
आगंतुक.....	16
कृषि विज्ञान केंद्र कार्यक्रम.....	17
कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा.....	21
सम्मेलन/परि संवाद/कार्यशाला/शीतकालीन पाठ्यक्रम/प्रदर्शनी/.....	
प्रशिक्षण कार्यक्रमों/बैठकों में प्रतिभागिता.....	25
पुरस्कार.....	26
नियुक्ति.....	27
संवानिवृत्ति.....	27
निदेशक की कलम से.....	28

Events

ICAR-CRRI, Cuttack Hosts Live Streaming of Hon'ble PM Modi's Launch of Major Agricultural Initiatives.....	1
Visit of Union Agriculture Minister to ICAR-CRRI, Cuttack Marks a Key Milestone in Empowering Odisha's Farmers.....	2
CRRI Hosts Live Streaming of 21 st Installment Release of PM-KISAN Samman Nidhi Programme in the presence of Hon'ble Union Minister for Tribal Affairs.....	3
Shri Jual Oram.....	3
Visit of Hon'ble QRT Members to ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack.....	4
Institute Observes Special Campaign 5.0 with Active Swachhata Efforts.....	5
Promoting Integrity and Transparency: Vigilance Awareness Week-2025 at ICAR-CRRI, Cuttack.....	6
ICAR-CRRI Celebrates National Education Day with Workshop on Research, Innovation, and Start-up Ecosystem.....	7
ICAR-CRRI Hosts Student Outreach Programme in Collaboration with INYAS and NAAS.....	8
National Workshop on Eco-Friendly Use of Basic Slag and Fly Ash for Acid Soil Management hosted by ICAR-CRRI.....	9
ICAR-CRRI, Cuttack Observes Kisan Samman Diwas in Tribute to Shri Chaudhary Charan Singh.....	11
Training Programmes.....	13
Visitors.....	16
KVK Programmes.....	17
KVK, Koderma.....	17
RESEARCH NOTE.....	22
Seminar/ Symposia/ Workshop/ Winter School/ Exhibition/ Training Programmes/ Meetings attended.....	25
Award.....	26
Publication.....	26
Appointment.....	27
Retirement.....	27
From Director's Desk.....	28

आयोजन

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक ने माननीय प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू की गई प्रमुख कृषि पहलों का सीधा प्रसारण का आयोजन किया



भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक ने 11 अक्टूबर, 2025 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दो ऐतिहासिक कृषि पहलों—प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और 'दालों में आत्मनिर्भरता मिशन' के शुभारंभ सीधा प्रसारण का आयोजन किया। कटक और खोर्धा खर्दा जिलों के अनुसूचित जाति उप-योजना के तहत अपनाए गए गाँवों से कुल 465 किसानों और महिला किसानों (पुरुष-249; महिला-216) ने भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक परिसर के एमकेसीजी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन नई पहलों का उद्देश्य फसल उत्पादकता बढ़ाकर, सिंचाई कवरेज का विस्तार करके, अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों तरह के कृषि ऋण तक पहुँच को बेहतर बनाकर और घरेलू उत्पादन में वृद्धि के माध्यम से आयात पर निर्भरता को कम करके भारत की कृषि को बदलना है। प्रधानमंत्री ने कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में ₹42,000 करोड़ से अधिक मूल्य की 1,100 से अधिक परियोजनाओं का शुभारंभ किया और उनकी आधारशिला रखी। इस कार्यक्रम के दौरान, श्री मोदी ने प्राकृतिक

Events

ICAR-CRRI, Cuttack Hosts Live Streaming of Hon'ble PM Modi's Launch of Major Agricultural Initiatives



ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack organized the live streaming of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi's launch of two landmark agricultural initiatives - the *Pradhan Mantri Dhan-Dhaanya Krishi Yojana* and the *Self-Reliance in Pulses Mission* on October 11, 2025. Altogether 465 farmers and farmwomen (male-249; female-216) from Scheduled Caste Sub Plan (SCSP) adopted villages of Cuttack and Khordha districts enthusiastically participated in the programme at MKCG Auditorium of ICAR-CRRI, Cuttack campus.

These new initiatives are aimed at transforming India's agriculture by enhancing crop productivity, expanding irrigation coverage, improving access to both short- and long-term agricultural credit, and reducing import dependence through increased domestic production. The Prime Minister also launched and laid the foundation stone for more than 1,100 projects in agriculture and allied sectors, worth over ₹42,000 crore. During the event, Shri Modi interacted with progressive farmers practicing natural



भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक
ICAR-CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE, CUTTACK

हमारी वेबसाइट पर जाएँ / Visit us at: www.icar-nrri.in



खेती करने वाले प्रगतिशील किसानों के साथ बातचीत की और किसानों, किसान उत्पादक संगठनों तथा सहकारी समितियों के उत्कृष्ट योगदान को सराहा। यह कार्यक्रम लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती और रबी बुवाई के मौसम की शुरुआत के साथ हुआ, जो कृषि क्षेत्र को मजबूत करने और भोजन व पोषण सुरक्षा में आत्मनिर्भरता हासिल करने के प्रति एक नए संकल्प का प्रतीक है। भाकू अनुप-सीआरआरआई, कटक में हुई सीधा प्रसारण किसानों के लिए एक प्रेरणादायक मंच साबित हुई, जहाँ वे एक समृद्ध, टिकाऊ और आत्मनिर्भर कृषि भविष्य के लिए सरकार के दृष्टिकोण को देख सके।

केंद्रीय कृषि मंत्री का भाकू अनुप-सीआरआरआई, कटक का दौरा ओडिशा के किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर



माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के ओडिशा प्रवास के दौरान उनकी अध्यक्षता में प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना, दलहन आत्मनिर्भरता मिशन और राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन की रणनीति पर 10 नवंबर 2025 को केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में एक बैठक में विस्तृत चर्चा हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में ओडिशा के उप मुख्यमंत्री व कृषि मंत्री श्री कनक वर्धन सिंह देव उपस्थित थे। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एम.एल. जाट, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव श्री देवेश चतुर्वेदी वर्युअल माध्यम से शामिल हुए। भारत सरकार की संयुक्त सचिव (फसलें) श्रीमती एफ. देबोराह इनिथा इस अवसर पर उपस्थित थीं। डॉ. डी.के. यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान); डॉ. ए.के. नायक, उप महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन); डॉ. एन.पी. दीक्षित, निदेशक, भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान; वैज्ञानिक, राज्य सरकार के विभागों के अधिकारी और लगभग 400 किसानों ने इस बैठक में भाग लिया। बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाएं भी राज्य सरकार के माध्यम से किसानों की जिंदगी बदलने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि ओडिशा में प्राकृतिक खेती द्वारा सब्जियों की बहुत अच्छी खेती कर रहे हैं। उन्होंने किसानों को उनकी उपज की समुचित दाम मिलने के प्रयासों पर जोर दिया। माननीय मंत्री ने ओडिशा की बेहतर जलवायु में दलहन की व्यापक उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया। केंद्रीय मंत्री ने खेती को जहरीले रसायनों से मुक्त करने तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ाने पर आग्रह किया। उन्होंने किसानों से पशुपालन, मछली पालन, मुर्गी पालन जैसे एकीकृत फसल अनुसंधान का आह्वान किया। माननीय केंद्रीय मंत्री ने संस्थान के पास कटक सदर स्थित राजहंस गाँव के किसानों के साथ अपने क्षेत्र में कृषि संबंधी समस्याओं के बारे में चर्चा की और चुनौतियों का सामना करने के लिए उन्होंने उन्हें सलाह दी कि वे अपनी फसलों में विविधता लाएँ—चावल और सब्जियों के अलावा, बीज उत्पादन को भी इसमें शामिल करें। ओडिशा सरकार के उप मुख्यमंत्री व कृषि मंत्री श्री कनक वर्धन सिंह देव अपने संबोधन में कहा कि ओडिशा राज्य केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं, वित्तीय और तकनीकी सहायता, विकेन्द्रीकृत योजनाओं, नीति अभिसरण और विभिन्न कार्यक्रमों के समन्वित कार्यान्वयन के माध्यम से कृषि की बेहतरी के लिए संयुक्त रूप से काम कर रही है। डेयर के सचिव और आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट ने कहा कि ओडिशा में जैवविविधता की संरचना व्यापक है। वर्तमान ओडिशा में प्राकृतिक खेती पर जोर दिया जा रहा है एवं इसके लिए

farming and recognized outstanding contributions of farmers, FPOs, and cooperatives.

The event coincided with the birth anniversary of Loknayak Jayaprakash Narayan and the beginning of the Rabi sowing season, symbolizing a renewed commitment to strengthen the farming sector and achieve self-reliance in food and nutrition security. The live streaming at ICAR-CRRI, Cuttack served as an inspiring platform for farmers to witness the government's vision for a prosperous, sustainable, and self-reliant agricultural future.

Visit of Union Agriculture Minister to ICAR-CRRI, Cuttack Marks a Key Milestone in Empowering Odisha's Farmers



The Hon'ble Union Minister for Agriculture and Farmers' Welfare Shri Shivraj Singh Chouhan chaired a high-level meeting on "Convergence Strategies for Implementation of PM Dhan-Dhanya Krishi Yojana, Mission for Atmanirbharta in Pulses and National Mission for Natural Farming" during his visit to ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack on 10th November 2025. Shri Kanak Vardhan Singh Deo, Hon'ble Deputy Chief Minister, Govt. of Odisha graced the occasion as special guest. Dr. M.L. Jat, Secretary, Department of Agricultural Research and Education, Dr. Devesh Chaturvedi, Additional Secretary, DARE & Secretary, ICAR joined virtually. Smt. F. Deborah Initha, Joint Secretary (Crops), Govt. of India, Dr. D.K. Yadav, Deputy Director General (Crop Science); Dr. A.K. Nayak, Deputy Director General (Natural Resources Management); Dr. N.P. Dixit, Director, Indian Institute of Pulse Research, Scientists, officers from state government departments and about 400 farmers participated in the meeting.

The Hon'ble Union Minister stated that central government schemes, in collaboration with the state government, will significantly transform the lives of farmers. He highlighted that Odisha is making remarkable progress in vegetable cultivation through natural farming. He emphasized efforts to ensure farmers receive fair prices for their produce. The Hon'ble Minister encouraged the large-scale production of pulses in Odisha for its favorable climate. He urged farmers to move away from toxic chemicals and adopt natural and integrated farming practices, including animal husbandry, fisheries, and poultry. During his visit to Rajhans village in Cuttack Sadar, the Hon'ble Minister interacted with farmers to understand their agricultural challenges and advised them to diversify their crops beyond rice and vegetables, including seed production.

Shri Kanak Vardhan Singh Deo, Deputy Chief Minister and Agriculture Minister, Government of Odisha in his address said that the State of Odisha is working jointly for the betterment of agriculture through Central Government sponsored schemes, financial and technical assistance, decentralized schemes, policy convergence and coordinated implementation of various programmes.

Dr. M.L. Jat, Secretary, DARE & Director General of ICAR,



आईएसएआर ने डोमेन कार्य किया है। बहुत शीघ्र ही ओडिशा की जैवविविधता के साथ प्राकृतिक खेती की डोमेन जोड़ा जाएगा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव श्री देवेश चतुर्वेदी ने ओडिशा में पाम तेल के लिए क्षेत्र विस्तार एवं अधिक उत्पादन पर बल दिया। फसल विज्ञान संभाग के उप महानिदेशक डॉ. डी.के. यादव ने जमीनी स्तर पर कृषि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सरकारी एजेंसियों, कृषि संस्थानों और किसान समूहों के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन संभाग के उप महानिदेशक डॉ. ए.के. नायक ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्राकृतिक खेती मृदा स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, लागत कम करती है और महंगी लागतों को कम करके तथा जल संरक्षण करके किसानों की आय बढ़ाती है। भारत सरकार की संयुक्त सचिव (फसल) श्रीमती एफ. देबोराह इनिथा ने प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के कार्यान्वयन कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसके अंतर्गत देश भर के 100 जिलों में से ओडिशा के केवल चार जिले शामिल होंगे। आईआईपीआर के निदेशक डॉ. एन.पी. दीक्षित ने दालों का एक अग्रणी वैश्विक निर्यातक बनने की भारत की क्षमता पर बल दिया। भाकअनुप-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी.ए.के. कुमार ने माननीय केंद्रीय मंत्री, सभी गणमान्य व्यक्तियों, विभिन्न हितधारकों, किसानों का हार्दिक स्वागत किया और डॉ. राहुल त्रिपाठी, प्रधान वैज्ञानिक ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन दिया।

सीआरआरआई में पीएम-किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त जारी करने की सीधा प्रसारण कार्यक्रम आयोजित



भारत सरकार के माननीय केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओराम ने 19 नवंबर 2025 को केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक एवं कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा आयोजित पीएम-किसान की 21वीं किस्त प्रदान किए जाने कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि "प्रधानमंत्री-किसान सम्मान निधि योजना अपनी शुरुआत से ही किसानों को प्रत्यक्ष आय सहायता प्रदान करके, उनकी वित्तीय स्थिरता को बढ़ाकर, कृषि आदानों में निवेश को बढ़ावा देकर और ऋण स्रोतों पर उनकी निर्भरता को कम करके किसानों की स्थिति को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है"। माननीय मंत्री ने आगे कहा कि पीएम किसान योजना के तहत वित्तीय सहायता का 21वां वितरण देश भर के किसानों को समर्थन देने के सरकार के चल रहे प्रयासों में एक और मील का पत्थर है। भारत सरकार राज्य सरकार के साथ मिलकर पीएम किसान योजना जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से कृषक समुदाय, विशेष रूप से आदिवासी किसानों



stated that Odisha has a vast biodiversity structure. Currently, Odisha is emphasizing natural farming, and ICAR has undertaken domain work for this. Very soon, the domain of natural farming will be integrated with Odisha's biodiversity. Dr. Devesh Chaturvedi, Additional Secretary of DARE and Secretary of ICAR, emphasized the need for area expansion and increased production of palm oil in Odisha.

Dr. D.K. Yadav, DDG (Crop Sciences), emphasized the need for coordinated efforts among government agencies, agricultural institutions, and farmer groups to effectively implement agricultural plans at the grassroots level. Dr. A.K. Nayak, DDG (NRM), highlighted that natural farming enhances soil health, reduces costs, and raises farmers' incomes by eliminating costly chemical inputs and conserving water. Mrs. F. Deborah Initha, Joint Secretary (Crops), outlined the implementation schedule of the Pradhan Mantri Dhan-Dhanya Krishi Yojana, covering four districts of Odisha among 100 nationwide. Dr. N.P. Dixit, Director, IIPR, emphasized India's potential to become a leading global exporter of pulses.

Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, welcomed the Hon'ble Union Minister and dignitaries, different stakeholders, farmers and Dr. Rahul Tripathi, Principal Scientist proposed a formal vote of thanks.

CRRI Hosts Live Streaming of 21st Installment Release of PM-KISAN Samman Nidhi Programme in the presence of Hon'ble Union Minister for Tribal Affairs Shri Jual Oram



"The PM-KISAN scheme have been playing a pivotal role in uplifting farmers' conditions by providing direct income support enhancing their financial stability, boosting investment in agricultural inputs and reducing their dependence on credit sources since its inception", said the Hon'ble Union Minister for Tribal Affairs Shri Jual Oram while chairing the live streaming programme of the release of the 21st installment of the PM-KISAN organized on 19th November 2025 by the Central Rice Research Institute, Cuttack in collaboration with Krishi Vigyan Kendra, Santhapur, Cuttack. The Hon'ble minister further said that the financial assistance through 21st distribution of PM Kisan Scheme is another milestone in the government's ongoing efforts to support farmers across the country. This money transfer is facilitating the beneficiary farmers to purchase critical inputs in urgency as well as to invest in modern practices. He made a clarion call to minimize

को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है ताकि वे सामाजिक-आर्थिक विकास के व्यापक ढांचे में पीछे न रहें। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों का कम प्रयोग करने का आह्वान किया तथा जैविक खेती पर जोर दिया। सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी.ए.के. कुमार ने माननीय केंद्रीय मंत्री का हार्दिक स्वागत किया और ओडिशा में पीएम-किसान योजना के लाभों पर उपस्थित जनसमूह को इसके बारे में वर्णन किया। उन्होंने माननीय केंद्रीय मंत्री से ओडिशा के प्रत्येक जिले में उन किसानों के लिए सुविधा केंद्र बनाने का आग्रह किया जो अभी भी इस योजना का लाभ उठाने के लिए पंजीकरण से वंचित रह गए हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. एस.डी. महापात्र ने स्वागत भाषण देते हुए लाभार्थियों को सीधे वित्तीय सहायता प्रदान करने में इस योजना के अभूतपूर्व प्रभाव पर प्रकाश डाला। एक किसान संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें ओडिशा के विभिन्न जिलों से लगभग 286 किसानों और कृषक महिलाओं ने भाग लिया। माननीय केंद्रीय मंत्री ने किसानों से चर्चा की और ओडिशा में कृषि विकास में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। डॉ. के. चक्रवर्ती और डॉ. पी.सी. जेना कार्यक्रम से संबंधित सभी आयोजनों का समन्वयन किया। आयोजन समिति के सह-अध्यक्ष डॉ. विश्वजीत मंडल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया।

माननीय सांसद श्री सुकांत पाणिग्राही द्वारा भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक का दौरा

ओडिशा के कंधमाल के माननीय सांसद श्री सुकांत पाणिग्राही ने 16 अक्टूबर 2025 को भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान, उन्होंने भाकृअनुप-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी.ए.के. कुमार, और विभिन्न विभागों, प्रशासन तथा वित्त के प्रमुखों के साथ बातचीत की। चर्चा का मुख्य केंद्र संस्थान के चल रहे अनुसंधान कार्यक्रम, विकासत्मक पहल और किसानों—विशेष रूप से आदिवासी समुदायों—के लाभ के लिए लागू की जा रही विभिन्न सरकारी योजनाएँ थीं, जिनका उद्देश्य उनकी आजीविका और आय के अवसरों को बढ़ाना है। श्री पाणिग्राही ने चावल-आधारित नवीन तकनीकों को बढ़ावा देने में संस्थान के प्रयासों और सतत कृषि विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की सराहना की।



माननीय क्यूआरटी सदस्यों का भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक का दौरा

माननीय क्यूआरटी सदस्यों ने 22 अक्टूबर 2025 को भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक का दौरा किया। कार्यक्रम की शुरुआत फसल उन्नयन प्रभाग के अध्यक्ष और क्यूआरटी की सदस्य सचिव, डॉ. संघमित्रा सामंतराय के गर्मजोशी भरे स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद क्यूआरटी सदस्यों—पश्चिम बंगाल के बीसीकेवी के पूर्व कुलपति डॉ. आर.के. सामंत और आईआईटी, खड़गपुर के एग्रीबिजनेस फाउंडेशन के विशेषज्ञ श्री के.वी. अय्यर—ने अपने विचार रखे; उन्होंने संस्थान के सभी वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की और चल रही अनुसंधान गतिविधियों की सराहना की। सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी.ए.के. कुमार ने भी सभा को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने संस्थान की हाल की उपलब्धियों और भविष्य की अनुसंधान प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन फसल उत्पादन प्रभाग के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पी. पन्नैरसेल्वम द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। बाद में क्यूआरटी सदस्यों ने अनुसंधान सुविधाओं और चल रही परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया।



the use of chemical fertilizers and emphasized for organic farming.

Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI heartily welcomed the Hon'ble Union Minister and addressed the gathering on the benefits of PM-KISAN scheme in Odisha. He urged the Hon'ble Union Minister to create facilitation centres in each district of Odisha for those farmers who are still left out to be registered to avail the benefits of this scheme.

Dr. S.D. Mohapatra, Chairperson, Organizing Committee, while delivering the welcome address underscored the scheme's monumental impact on facilitating financial support directly to the beneficiaries.

A farmer interaction programme was organized in which about 286 farmers and farm women participated from various districts of Odisha. The Hon'ble Union Minister interacted with the farmers and felicitated progressive farmers for their notable contributions to agricultural growth in Odisha.

Dr. K. Chakraborty and Dr. P.C. Jena coordinated the programme as the Organizing Secretaries. Dr. Biswajit Mondal, Co-Chairperson, Organizing Committee proposed vote of thanks.

Hon'ble MP Mr. Sukanta Panigrahi Visits ICAR-CRRI, Cuttack

Mr. Sukanta Panigrahi, Hon'ble Member of Parliament, Kandhamal, Odisha visited ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack on 16 October 2025. During his visit, he interacted with Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, and the Heads of Divisions, Administration and Finance. The discussions focused on the institute's ongoing research programmes, developmental initiatives, and various government schemes being implemented for the benefit of farmers, particularly the tribal communities, to enhance their livelihood and income opportunities. Mr. Panigrahi appreciated the institute's efforts in promoting innovative rice-based technologies and its commitment to sustainable agricultural development.

Visit of Hon'ble QRT Members to ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack

A visit of the Hon'ble QRT members was held at ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack on 22 October 2025. The programme commenced with a warm welcome address by Dr. Sanghamitra Samantaray, Head, Crop Improvement Division and Member Secretary, QRT. This was followed by insightful remarks from QRT members Dr. R.K. Samanta, Former Vice-Chancellor of BCKV, West Bengal; and Mr. K.V. Iyer, Expert at the Agribusiness Foundation at IIT, Kharagpur, who interacted with all the scientists of the institute and appreciated the ongoing research activities. Dr. G.A.K. Kumar, Director, CRRI, also addressed the gathering, highlighting the institute's recent achievements and future research priorities. The event concluded with a vote of thanks proposed by Dr. P. Panneerselvam, Principal Scientist, Crop Production Division. Later, the QRT members visited various laboratories of the institute to review the research facilities and ongoing projects

माननीय क्यूआरटी सदस्यों का केंद्रीय वर्षाश्रित उपरिभूमि धान अनुसंधान केंद्र, हज़ारीबाग का दौरा

माननीय क्यूआरटी सदस्य डॉ. ए.आर. शर्मा (पूर्व अनुसंधान निदेशक, आरएलबीसीएयू, झांसी) और डॉ. पी.वी. सत्यनारायण (अनुसंधान निदेशक, एनजीआरएयू), डॉ. पी. भट्टाचार्य (अध्यक्ष, फसल उत्पादन प्रभाग) और डॉ. बी. मंडल (प्रधान वैज्ञानिक और प्रभारी, पीएमइ सेल, भाकृअनुप-सीआरआरआई) के साथ, 22 अक्टूबर 2025 को भाकृअनुप-सीआरआरआई-सीआरयूआरआरएस, हज़ारीबाग का दौरा किया। इस दौरे की शुरुआत सीआरयूआरआरएस के प्रमुख डॉ. एन.पी. मंडल के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद स्टेशन की पिछले पांच वर्षों की उपलब्धियों पर एक प्रस्तुति दी गई। क्यूआरटी सदस्यों ने वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की, चल रहे शोध कार्यों की सराहना की, और निर्यात-उन्मुख फसलों, चावल-आधारित प्रणालियों, प्रत्यक्ष बीज रोपण और कृषि मशीनीकरण के क्षेत्र में नई पहल करने के सुझाव दिए। उन्होंने प्रायोगिक खेतों और प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया, पौधे लगाए, और इसके बाद चरही स्थित किसानों के खेतों का दौरा किया। टीम ने 23 अक्टूबर को भाकृअनुप-आईएआरआई, झारखंड और केवीके, कोडरमा का दौरा किया, जहाँ उन्होंने 'किसान गोष्ठी' के दौरान संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों और किसानों के साथ बातचीत की। 24 अक्टूबर को, उन्होंने भाकृअनुप-आई आईएबी और भाकृअनुप-एनआईएसए, राँची का दौरा किया, वहाँ उपलब्ध सुविधाओं का जायज़ा लिया, और शैक्षणिक तथा अनुसंधान के क्षेत्र में आपसी सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।



Visit of Hon'ble QRT Members to Central Rainfed Upland Rice Research Station (CRURRS), Hazaribag

Hon'ble QRT members Dr. A.R. Sharma, Former Director Research, RLBCAU, Jhansi; Dr. P.V. Satyanarayan, Director Research, ANGRAU; along with Dr. P. Bhattacharya, Head, CPD, and Dr. B. Mondal, Principal Scientist & I/c PME Cell, ICAR-CRRI visited ICAR-CRRI-CRURRS, Hazaribag on 22 October 2025. The visit began with a welcome address by Dr. N.P. Mandal, Head, CRURRS, followed by a presentation on the station's five-year achievements. The QRT members interacted with scientists,

appreciated ongoing research, and suggested initiatives on export-oriented crops, rice-based systems, DSR, and farm mechanization. They reviewed experimental fields, laboratories, and planted saplings before visiting farmers' fields at Charhi.

On 23 October, the team visited ICAR-IARI, Jharkhand, and KVK, Koderma, holding interactions with faculty, scientists, and farmers during a Kisan Goshthi. On 24 October, they visited ICAR-IIAB and ICAR-NISA, Ranchi, reviewed facilities, and discussed opportunities for academic and research collaborations.

संस्थान ने सक्रिय स्वच्छता प्रयासों के साथ 'विशेष अभियान 5.0' मनाया

विशेष अभियान 5.0 (2-31 अक्टूबर 2025) के दौरान, संस्थान ने भाकृअनुप, नई दिल्ली के निर्देशों के अनुसार, स्वच्छता और लंबित कार्यों को कम करने के लिए सक्रिय रूप से कई पहलें कीं। इस अभियान का समन्वय संस्थान की 'स्वच्छ भारत समिति' ने डॉ. श्रीकांत लंका के नेतृत्व में किया, जिसमें डॉ. रेशमी राज और डॉ. रुबीना खानम नोडल अधिकारी के रूप में शामिल थीं। अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण समारोह के साथ हुई, जिसमें निदेशक-पदनामित डॉ. बी. मंडल ने पुष्प अर्पित किया। पूरे महीने के दौरान, समिति ने संस्थान के कर्मचारियों, छात्रों, परियोजना कर्मियों और संविदा कर्मचारियों के साथ मिलकर परिसर, आवासीय क्षेत्रों और सर्वेश्वर मंदिर में 11 स्वच्छता अभियान आयोजित किए; साथ ही प्रयोगशालाओं, प्रशासनिक इकाइयों, पुस्तकालय, प्रकाशन इकाई और कर्मचारियों के बैठने के कमरों में 17 निगरानी दौरे भी किए। इसके अतिरिक्त, विभिन्न इकाइयों से पहचान की गई 259 वस्तुओं को अनुपयोगी घोषित करने और उनकी ई-नीलामी के लिए ई-ऑफिस के माध्यम से कार्रवाई शुरू की गई, ताकि जगह का बेहतर उपयोग हो सके और राजस्व अर्जित किया जा सके; इस दिशा में 'नीलामी समिति' अपशिष्ट और ई-अपशिष्ट सामग्री के समय पर निपटान की दिशा में आगे बढ़ रही है।

Institute Observes Special Campaign 5.0 with Active Swachhata Efforts

During the Special Campaign 5.0 (2-31 October 2025), the Institute actively undertook a series of Swachhata and pendency-reduction initiatives as per directives of ICAR, New Delhi. The campaign was coordinated by the Institute Swachha Bharat Committee under the leadership of Dr. Srikanta Lenka, with Dr. Reshmi Raj and Dr. Rubina Khanam as Nodal Officers. The campaign commenced on 2 October with a garlanding ceremony of the statues of Mahatma Gandhi and other freedom fighters, graced by the floral tribute from Director-designate Dr. B. Mondal. Throughout the month, the Committee, along with institute staff, students, project personnel and contractual workers, organized 11 Swachhata drives across the campus, residential areas and the Sarbeswar Temple, and conducted 17 monitoring visits across laboratories, administrative units, the library, Publication Unit, and staff sitting rooms. Additionally, actions were initiated through e-office for condemnation and e-auction of 259 identified items from various units to facilitate space optimization and revenue generation, with the Auction Committee progressing toward timely disposal of waste and e-waste materials.

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन

भारत के 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर 2025 को भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर, भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक का निदेशक डॉ. संगमित्रा सामंतराय ने 'एकता की शपथ' दिलाई। कार्यक्रम की शुरुआत सामाजिक विज्ञान प्रभाग के वैज्ञानिक डॉ. एन.एन. जंभुलकर के स्वागत भाषण से हुई। फसल उत्पादन प्रभाग के प्रमुख डॉ. पी. भट्टाचार्य ने "प्रबंधन और नेतृत्व



National Unity Day (Rashtriya Ekta Diwas) Celebration at ICAR-CRRI, Cuttack

The National Unity Day (Rashtriya Ekta Diwas) was observed on 31st October 2025 at ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack to commemorate the birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel, the *Iron Man of India*. On this occasion, the Unity Pledge was administered by Dr. Sangamitra Samantaray, Director, ICAR-CRRI, Cuttack. The programme commenced with a welcome address by Dr. N.N. Jambhulkar, Scientist, SSD. Dr. P.

कौशल” विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया, जबकि वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री वी. गणेश कुमार ने “विविधता में एकता” विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक की निदेशक डॉ. संगमित्रा सामंतराय ने उपस्थित समूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय विकास में एकता और अखंडता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन सामाजिक विज्ञान प्रभाग के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी श्री एम.के. नायक द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

ईमानदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा: भाकृअनुप-सीआरआरआई

केंद्रीय सतर्कता आयोग की पहल के अनुरूप भाकृअनुप-सीआरआरआई कटक में 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025 तक “सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी” विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 मनाया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत ‘सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा’ के साथ हुई, जिसे भाकृअनुप-सीआरआरआई कटक के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार ने दिलवाया। इसके बाद एक कार्यशाला-सह-सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसे भाकृअनुप-एनआईएएसएम, बारामती के मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी डॉ. सुनील



Vigilance Awareness Week-2025 was observed at ICAR-CRRI, Cuttack, from 27th October to 2nd November 2025 on the theme “Vigilance: Our Shared Responsibility” (सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी), in line with the Central Vigilance Commission’s initiative.

The observance began with the Integrity Pledge, administered by Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, followed by a workshop-seminar addressed by Dr. Sunil Kumar Das, CFAO, ICAR-NIASM, Baramati, who emphasized transparency and ethical governance.



कुमार दास ने संबोधित किया। उन्होंने पारदर्शिता और नैतिक शासन पर विशेष जोर दिया। इस सप्ताह के दौरान विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं — डॉ. पी सी रथ (सतर्कता अधिकारी) के मार्गदर्शन में एक प्रश्नोत्तरी (28 अक्टूबर 2025), वाद-विवाद और जागरूकता मार्च (29 अक्टूबर 2025), तथा आईएआरआई-सीआरआरआई हब के छात्रों के बीच एक नारा लेखन प्रतियोगिता (30 अक्टूबर 2025), 1 नवंबर 2025 को कटक के सुदुसैलो गाँव और मयूरभंज ज़िले के उलिडिही गाँव में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। ये कार्यक्रम भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के डॉ. श्रीकांत लेंका, डॉ. पी सी जेना, डॉ. बी.राघवेंद्र गौड़ (वैज्ञानिक) और श्री दुलाराम माझी (तकनीकी सहायक) की उपस्थिति में संपन्न हुए। इनका उद्देश्य सहभागी सतर्कता को बढ़ावा देना और नैतिक शासन के प्रति समुदाय में जागरूकता फैलाना था, जिसमें स्थानीय किसानों और महिला किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समापन समारोह 3 नवंबर 2025 को आयोजित किया गया, जिसमें इंस्टीट्यूट ऑफ़ फ़िज़िक्स, भुवनेश्वर के रजिस्ट्रार लेफ्टिनेंट कर्नल बिबेकानंद पटनायक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने निवारक सतर्कता और पारदर्शिता व नैतिकता को बढ़ावा देने में सक्रिय कदमों के महत्व पर एक सारगर्भित भाषण दिया। इस समापन समारोह की अध्यक्षता भाकृअनुप-सीआरआरआई के निदेशक (प्रभारी) डॉ. प्रताप भट्टाचार्य ने की, जबकि सह-अध्यक्षता भाकृअनुप-सीआरआरआई के सतर्कता अधिकारी डॉ. पी सी रथ ने की। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणामों की घोषणा की गई और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। अंत में, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी श्रीमती रोसालिन स्वाई ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

Various activities were held during the week — a quiz (28 Oct 2025), debate and awareness walk (29 Oct 2025) under the guidance of Dr. P.C. Rath, Vigilance Officer, and a slogan competition (30 Oct 2025) among IARI-CRRI Hub students. Gram Sabhas were organized on November 1, 2025, at Sudusailo village of Cuttack and Ulidihi village of Mayurbhanj district. The programmes were conducted in the presence of Dr. Srikanth Lenka, Dr. P.C. Jena, Dr. B. Raghavendra Goud (Scientist), and Shri Dularam Majhi (Technical Assistant) from ICAR-CRRI, Cuttack, to promote participative vigilance and community awareness on ethical governance, attended by local farmers and farm women.

The closing ceremony on 3rd November 2025 was held in the presence of Lt. Col. Bibekananda Pattanaik, Registrar, Institute of Physics, Bhubaneswar, as Chief Guest, who delivered an insightful speech on preventive vigilance and the importance of proactive steps in fostering transparency and ethics. The results of various competitions were announced, and prizes were distributed during the valedictory function, chaired by Dr. Pratap Bhattacharyya, Director (I/c), ICAR-CRRI, and co-chaired by Dr. P.C. Rath, Vigilance Officer, ICAR-CRRI. At the end, Mrs. Rosalin Swain, Senior Technical Officer offered the formal vote of thanks.

ओडिशा में धान की फसल के नुकसान पर सबूत और कार्रवाई को मजबूत करने के लिए एक संवाद का आयोजन

ओडिशा ने हाल ही में CABI के नेतृत्व वाली 'ग्लोबल बर्डन ऑफ़ क्रॉप लॉस' (GBCL) पहल के तहत धान की फसल के नुकसान के अनुमान को बेहतर बनाने के लिए सबूतों, संस्थानों और समुदायों को एक साथ लाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बहु-हितधारक संवाद का आयोजन किया। भाकृअनुप-सीआरआरआई और AbacusBio सहित अन्य भागीदारों के सहयोग से लागू किए गए इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य में धान की फसल को प्रभावित करने वाले जैविक और अजैविक तनावों को समझना है। सितंबर में शुरू की गई इस पहल ने, फसल के नुकसान के लैंगिक और सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का आकलन करने के लिए, अब तक 75 से ज़्यादा हितधारकों को एक साथ ला दिया है। 4-6 नवंबर को भुवनेश्वर और कटक में आयोजित तीन-दिवसीय कार्यशाला में, सरकार, अनुसंधान संस्थानों, शिक्षा जगत, एनजीओ और मीडिया से 80 से ज़्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, ताकि साक्ष्य प्रवाह, डेटा की कमियों और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं का खाका तैयार किया जा सके। डॉ. कृष्ण पति (ओडिशा सरकार), डॉ. ए. सडंगी (भाकृअनुप-आईआईडब्लूएम), और डॉ. पी. भट्टाचार्य (भाकृअनुप-सीआरआरआई) जैसे विशेषज्ञों ने फसल बीमा, रिमोट सेंसिंग मॉडल और राज्य-स्तरीय डेटा प्रणालियों को मजबूत बनाने के लिए ठोस और भरोसेमंद नुकसान के अनुमानों की ज़रूरत पर जोर दिया। CABI की ग्लोबल डायरेक्टर, कैम्ब्रिया फाइनगोल्ड ने जलवायु और खाद्य सुरक्षा की चुनौतियों के बीच फसल की पैदावार को सुरक्षित रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। सीआरआरआई और CABI बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी रखेंगे और अगले दो वर्षों में चावल की फसल के नुकसान के भरोसेमंद डेटा को तैयार करने और उसका उपयोग करने की संयुक्त रूप से योजना बनाएंगे।

भाकृअनुप-सीआरआरआई ने अनुसंधान, नवाचार और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र पर कार्यशाला सहित राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया

भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), कटक ने 11 नवंबर, 2025 को "अनुसंधान और नवाचार को जोड़ना: ज्ञान से प्रौद्योगिकी और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र तक" शीर्षक पर एक दिवसीय कार्यशाला के साथ राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया। यह कार्यक्रम सीआरआरआई द्वारा भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएस), नई दिल्ली और राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस), नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यशाला का उद्देश्य वैज्ञानिक ज्ञान को व्यावहारिक तकनीकों में बदलने और कृषि में स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए शोधकर्ताओं, नवप्रवर्तकों और उद्यमियों के बीच संवाद को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में नवाचार-आधारित शिक्षा और कृषि-उद्यमिता की खोज के लिए अग्रणी वैज्ञानिकों, उद्यमियों और 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), प्रौद्योगिकी व्यावसायिकरण और कृषि-व्यवसाय इनक्यूबेशन (एबीआई) पारिस्थितिकी तंत्र पर केंद्रित तकनीकी सत्रों में सीएसआईआर-आईएमएमटी, डीबीटी-आईएलएस, केआईआईटी-टीबीआई के विशेषज्ञ और प्रमुख कृषि उद्यमी शामिल हुए। KIIT स्कूल ऑफ़ बिज़नेस के डायरेक्टर जनरल (R&D), डॉ. मृत्युंजय सुआर ने "शिक्षा, नवाचार और राष्ट्र निर्माण" विषय पर मुख्य भाषण दिया। भाकृअनुप-सीआरआरआई कटक के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार ने शोध परिणामों को प्रभावशाली तकनीकों



Odisha hosts dialogue to strengthen evidence and action on rice crop loss

Odisha recently hosted a key multi-stakeholder dialogue to align evidence, institutions, and communities for improving rice crop loss estimation under the Global Burden of Crop Loss (GBCL) initiative led by CABI. The programme, implemented in collaboration with ICAR-CRRI and partners including AbacusBio, focuses on understanding biotic and abiotic stresses affecting rice in the state.

Launched in September, the initiative has already brought together over 75 stakeholders to assess gender and socio-economic impacts of crop loss. A three-day workshop held on 4-6 November in Bhubaneswar and Cuttack convened more than 80 participants from government, research institutions, academia, NGOs, and media to map evidence flows, data gaps, and decision-making processes.

Experts including Dr. Krishna Pati (Govt. of Odisha), Dr. A. Sarangi (ICAR-IIWM), and Dr. P. Bhattacharyya (ICAR-CRRI) emphasized the need for robust, reliable loss estimates to strengthen crop insurance, remote sensing models, and state-level data systems. CABI's Global Director, Cambria Finegold, highlighted the importance of protecting yields amid climate and food security challenges.

CRRI and CABI will continue consultations to address bottlenecks and jointly plan the generation and use of trusted rice crop loss data over the next two years.

ICAR-CRRI Celebrates National Education Day with Workshop on Research, Innovation, and Start-up Ecosystem

ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack, celebrated National Education Day with a one-day workshop titled "Bridging Research and Innovation: From Knowledge to Technology and Start-up Ecosystem" on November 11, 2025. The event was organized by ICAR-CRRI in collaboration with the Indian National Young Academy of Science (INYS), New Delhi, and the National

Academy of Agricultural Sciences (NAAS), New Delhi. The workshop aimed to foster dialogue among researchers, innovators, and entrepreneurs to translate scientific knowledge into practical technologies and strengthen the start-up ecosystem in agriculture. It brought together leading scientists, entrepreneurs, and over 100 students to explore innovation-led education and agri-entrepreneurship.

Dr. Mrutyunjay Suar, Director General (R&D), KIIT School of Business, delivered the keynote address on "Education, Innovation, and Nation Building." Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, highlighted the institute's commitment to transforming research outputs into impactful technologies. Technical sessions focused on Intellectual Property Rights



में बदलने के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। तकनीकी सत्रों में बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR), प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण और कृषि-व्यवसाय इन्क्यूबेशन इकोसिस्टम पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें सीएसआईआर-आईएमएमटी, डीबीटी-आईएलएस, केआईआईटी-टीबीआई के विशेषज्ञ और जाने-माने कृषि-उद्यमी शामिल हुए। कार्यशाला में विकास आर-एबीआई पहल का भी प्रदर्शन किया गया, जो युवा नवप्रवर्तकों को कृषि-स्टार्टअप स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और ₹4 लाख तक की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। कार्यक्रम का समापन युवाओं को वैज्ञानिक विचारों को स्थायी कृषि व्यवसाय उपक्रमों में बदलने, नवाचार, उद्यमिता और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करने के सामूहिक आह्वान के साथ हुआ।

भाकृअनुप-सीआरआरआई में आईएनवाईएस और एनएएस के सहयोग से छात्र आउटरीच कार्यक्रम आयोजित

(IPR), technology commercialization, and the Agri-Business Incubation (ABI) ecosystem, featuring experts from CSIR-IMMT, DBT-ILS, KIIT-TBI, and prominent agripreneurs.

The workshop also showcased the VIKAS R-ABI initiative, which supports young innovators through training, mentorship, and funding assistance of up to ₹4 lakhs to establish agri-startups. The programme concluded with a collective call to empower youth in transforming scientific ideas into sustainable agribusiness ventures, reinforcing the spirit of innovation, entrepreneurship, and nation-building.

ICAR-CRRI Hosts Student Outreach Programme in Collaboration with INYAS and NAAS



भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), कटक ने भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएस), नई दिल्ली और राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएस), कटक-भुवनेश्वर चैप्टर के सहयोग से एक बड़े पैमाने पर छात्र आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), कालिंग के 273 छात्रों और 10 शिक्षकों ने भाग लिया। इस भ्रमण कार्यक्रम के तहत, छात्रों ने संस्थान की कई प्रमुख अनुसंधान और शैक्षिक सुविधाओं का दौरा किया, जिसमें जैव-उर्वरक इकाई, कीटनाशक अवशेष प्रयोगशाला, ओराइजा संग्रहालय, फार्म मशीनरी यूनिट और जैविक नियंत्रण यूनिट शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने चावल विज्ञान में उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी नवाचारों का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया।

डॉ. जी.ए.के. कुमार, निदेशक, भाकृअनुप-सीआरआरआई, डॉ. प्रताप भट्टाचार्य, अध्यक्ष, फसल उत्पादन प्रभाग और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सुष्मिता मुंडा एवं डॉ. सुदीप्त पाल ने छात्रों से चर्चा किया और प्रेरणादायक भाषण दिए। वक्ताओं ने युवा छात्रों को विज्ञान की दुनिया की खोज करने, अपनी जिज्ञासा को पोषित करने और नवोन्मेषी विचार विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया, साथ ही उन्हें भविष्य के वैज्ञानिक, उद्यमी और लीडर के रूप में खुद को देखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समन्वय वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. टोटन अदक ने किया।

छात्रों द्वारा प्रदर्शित जीवंत ऊर्जा और उत्साह ने उनके सीखने की उत्सुकता और राष्ट्र के वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में सार्थक योगदान देने की क्षमता को उजागर किया। इस कार्यक्रम ने संस्थान की यह प्रतिबद्धता फिर से रेखांकित की कि वह अगले पीढ़ी के नवोन्मेषकों और शोधकर्ताओं को प्रेरित करने और आकार देने में योगदान करेगा।

भारत के संविधान की 75वीं वर्षगांठ आयोजित

केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक ने भारत के संविधान को अपनाने के सम्मान में 26 नवंबर 2025 को संविधान दिवस मनाया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, इस समारोह का मकसद न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के मुख्य संवैधानिक मूल्यों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. जी.ए.के. कुमार ने संविधान की प्रस्तावना पढ़कर स्टाफ सदस्यों को शपथ दिलाया। संस्थान के अधीन कार्यरत क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों तथा

The ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack organized a large-scale student outreach programme in collaboration with the Indian National Young Academy of Science (INYAS), New Delhi, and the National Academy of Agricultural Sciences (NAAS), Cuttack-Bhubaneswar Chapter on 21 November 2025. Altogether 273 students and 10 teachers from Delhi Public School (DPS), Kalinga participated in the event.

As part of the exposure visit, students explored several key research and educational facilities of the institute, including the Bio-fertilizer Unit, Pesticide Residue Laboratory, Oryza Museum, Farm Machinery Unit, and the Biocontrol Unit. The visit provided them with firsthand knowledge of advanced scientific research and technological innovations in rice science.

Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, along with Dr. Pratap Bhattacharyya, Head, Crop Production Division, and Senior Scientists Dr. Sushmita Munda and Dr. Sudipta Paul, interacted with the students and delivered motivational talks. The speakers encouraged the young learners to explore the world of science, nurture their curiosity, and develop innovative ideas, envisioning themselves as future scientists, entrepreneurs, and leaders. Dr. Totan Adak, Senior Scientist coordinated the programme.

The vibrant energy and enthusiasm displayed by the students highlighted their eagerness to learn and their potential to contribute meaningfully to the nation's scientific landscape. The programme reaffirmed the institute's commitment to inspiring and shaping the next generation of innovators and researchers.

75th Anniversary of the Constitution of India Celebrated with Enthusiasm

The ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack observed *Constitution Day (Samvidhan Divas)* on 26 November 2025 with great respect and patriotic fervour, honouring the adoption of the Constitution of India. As per the directives of the ICAR & Government of India, the celebrations focused on promoting awareness about the core constitutional values of justice, liberty, equality, and fraternity. The programme began with a Pledge Ceremony in which the Director, Dr. G.A.K. Kumar, led the gathering by reading the



कृषि विज्ञान केंद्रों प्रतिभागियों ऑनलाइन मोड से समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम के भाग के रूप में एक किज़ प्रतियोगिता आयोजित किया गया, जिसमें सभी स्टाफ़ ने mygov.in और Constitution75.com पर होस्ट किए गए ऑनलाइन किज़ में हिस्सा लेने के लिए बढ़ावा दिया गया। इसका मकसद संविधान के बारे में जानकारी बढ़ाना और सिविक अवेयरनेस को बढ़ावा देना था। दोपहर में, मुख्य अतिथि श्री सतीश कुमार गजभिये, आईपीएस, इंस्पेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस, स्पेशल आर्म्ड पुलिस, ओडिशा ने एक खास व्याख्यान दिया। अपने भाषण में, उन्होंने कानून, व्यवस्था और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने में संवैधानिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया और प्रतिभागियों को नागरिक के तौर पर अपनी ज़िम्मेदारियाँ निभाने के लिए प्रेरित किया। निदेशक डॉ. जी.ए.के. कुमार ने अध्यक्षीय भाषण दिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. सुधामय मंडल ने सभी लोगों का स्वागत किया। श्री धनेश कृष्ण आर. के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम खत्म हुआ। संविधान दिवस समारोह ने भारतीय संविधान के महत्व को सफलतापूर्वक दोहराया और एक सबको साथ लेकर चलने वाले और लोकतांत्रिक देश में योगदान देने के सामूहिक इरादे को मज़बूत किया।

अम्लीय मृदा के प्रबंधन हेतु बेसिक स्लैग और फ्लाई ऐश के पर्यावरण अनुकूल उपयोग पर सीआरआरआई में राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित



बेसिक स्लैग और फ्लाई ऐश, जो इस्पात उद्योग का उप-उत्पाद हैं, लंबे समय से पर्यावरणीय चुनौतियाँ उत्पन्न करते रहे हैं। 'SAFAR' नामक परियोजना ने इन औद्योगिक कचरों को EcoLime+ में बदलकर एक नया समाधान प्रस्तुत किया है जो मृदा मिट्टी में सुधार करने, अम्लीय मृदाओं का प्रबंधन करने, कृषि उत्पादकता बढ़ाने और चक्रीय पत्र अर्थव्यवस्था के प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए कल्पना किया गया है। यह पहल ओडिशा के छह जिलों में पहले से ही चल रही है। इसे दूसरे जिलों तक बढ़ाने के उद्देश्य से, भाकृअनुप-केंद्रीय चवल अनुसंधान संस्थान, कटक ने आगामी विश्व मृदा दिवस समारोह के पूर्व एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यशाला आयोजित किया जिसका विषय था अम्लीय मृदा प्रबंधन के लिए बेसिक स्लैग और फ्लाई ऐश का पर्यावरण-मैत्रीपूर्ण उपयोग। यह कार्यक्रम ओडिशा सरकार द्वारा वित्तपोषित SAFAR परियोजना के तहत आयोजित किया गया था। कार्यशाला में भाकृअनुप-सीआरआरआई की सतत कृषि, मृदा स्वास्थ्य सुधार तथा शोधकर्ताओं, नीतिनिर्माताओं एवं उद्योग साझेदारों के बीच सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता पर बल दिया गया। चर्चाओं का मुख्य केंद्र EcoLime+ के उत्पादन तथा खेत-स्तर पर इसके अपनाने को बढ़ाने के लिए एक व्यावहारिक और व्यापक रूप से लागू किए जा सकने



Preamble to the Constitution, followed by all staff members and students. Participants from various Regional Centres and KVKs also joined the ceremony through online mode, ensuring wider involvement. As part of the day's activities, a Quiz Competition was organized, encouraging all staff members to participate in the online quiz hosted on mygov.in and constitution75.com. The initiative aimed to deepen knowledge about the Constitution and promote civic awareness. In the afternoon, a special talk was delivered by the Chief Guest, Shri Satish Kumar Gajbhaye, IPS, Inspector General of Police, Special Armed Police (SAP), Odisha. In his address, he highlighted the significance of constitutional values in maintaining law, order, and social harmony, and inspired participants to uphold their responsibilities as citizens. Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, Cuttack, delivered the presidential remarks. Dr. Sudhamoy Mandal, Chairman of the programme, welcomed the dignitaries. The event concluded with a vote of thanks proposed by Shri Dhanesh Krishna R. The Constitution Day celebration successfully reinforced the importance of the Indian Constitution and strengthened the collective resolve to contribute towards an inclusive and democratic nation.

National Workshop on Eco-Friendly Use of Basic Slag and Fly Ash for Acid Soil Management hosted by ICAR-CRRI



Basic slag and fly ash, a by-product of the steel industry, have long posed environmental challenges. SAFAR has introduced an innovative solution by converting these industrial wastes into EcoLime+, a soil amendment designed to manage acid soils, enhance farm productivity, and promote circular economy practices. The initiative is already operational across six districts of Odisha. With the aim and objective to extend it further to other districts, the ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack, organised a national-level workshop on the eco-friendly utilisation of basic slag and fly ash for acid soil management as a prelude to the upcoming World Soil Day 2025 celebrations on 2 December 2025. The programme was conducted under the Government of Odisha-funded project SAFAR. The workshop emphasised ICAR-CRRI's commitment to sustainable agriculture, soil health improvement, and collaboration among researchers, policymakers, and industry partners. Discussions focused on developing a practical and scalable roadmap for upscaling EcoLime+ production

वाले दिशानिर्देश का विकास था। हितधारकों ने कच्चे माल की उपलब्धता, उत्पादन से संबंधित लॉजिस्टिक्स, गुणवत्ता नियंत्रण, नियामक अनुमोदन और बाजार संपर्क से जुड़े अवसरों एवं चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। तैयार की गई सिफारिशों का एक समेकित दस्तावेज ओडिशा सरकार को एक राज्य-स्तरीय कार्ययोजना के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे बड़े पैमाने पर अम्लीय मृदा प्रबंधन के प्रयासों को समर्थन मिल सके। श्री सुब्रांशु मिश्र, अतिरिक्त सचिव, कृषि और किसान सशक्तिकरण विभाग, ओडिशा सरकार, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और अम्लीय मृदा की चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता तथा कृषि उत्पादकता सुधारने में EcoLime की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में ओडिशा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पर्यावरण इंजीनियर श्री देबब्रत सेठी और अंतर्राष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर के वैज्ञानिक डॉ. अविराज दत्ता सम्मानित अतिथि थे। सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार ने कार्यशाला की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम में लगभग 85 प्रतिभागी शामिल हुए, जिनमें ओडिशा सरकार के अधिकारियों, टाटा स्टील (मेरामंडली एवं कलिंगनगर), वेदांता प्राइवेट लिमिटेड, हार्सको इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, प्राण क्लाइमेटेक प्राइवेट लिमिटेड, आरएम एग्रिको जैसी उद्योगों के प्रतिनिधि और बायोटेज प्राइवेट लिमिटेड जैसे स्टार्टअप्स, किसान उत्पादक संगठनों तथा अंगुल, ढेंकानाल, झारसुगुड़ा, सुंदरगढ़, जाजपुर और कटक जिलों के किसान शामिल थे। फसल उत्पादन प्रभाग के अध्यक्ष और 'सफर' परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. प्रताप भट्टाचार्य ने आमंत्रित अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया और कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में बताया। डॉ. मनीष देबनथ आयोजक सचिव के रूप में तथा डॉ. रुबीना खानम एवं डॉ. डी.आर. सडंगी ने सह-आयोजक सचिव के रूप में कार्यक्रम का समन्वयन किया।

तमिलनाडु के माननीय मुख्यमंत्री की उपस्थिति में भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक और टीएनएपीईएक्स के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भाकृअनुप-केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक द्वारा तमिलनाडु खाद्य प्रसंस्करण और कृषि निर्यात प्रोत्साहन निगम के साथ तमिलनाडु के माननीय मुख्यमंत्री श्री एम.के. स्टालिन की गरिमामयी उपस्थिति में मदुरै में 7 दिसंबर 2025 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। यह समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दोनों संगठनों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है ताकि फसलों की कटाई के बाद कृषि और खाद्य उत्पादों का प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, विपणन तथा निर्यात में नवाचार, स्थिरता एवं बेहतर दक्षता को बढ़ावा दिया जा सके। इस साझेदारी का उद्देश्य संबंधित क्षेत्रों को भी सशक्त बनाना है ताकि किसान की आय में वृद्धि हो सके और कृषि आधारित उद्यमों को प्रोत्साहन मिल सके। भाकृअनुप-केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार ने तमिलनाडु खाद्य प्रसंस्करण और कृषि निर्यात प्रोत्साहन निगम के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. के. अलागुसुंदरम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया जो भारतीय चावल मूल्य श्रृंखला को परिवर्तित करने और भारतीय कृषि उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार के अवसरों को विस्तारित करने की दिशा में एक रणनीतिक पहल के आरंभ को रेखांकित करता है। इस कार्यक्रम में सीआरआरआई, कटक के वैज्ञानिक डॉ. शिवशंकारी एम. ने भाग लिया।



सीआरआरआई कृषि उद्यमियों के लिए प्रोत्साहन योजनाओं पर सदस्यता कार्यक्रम

भाकृअनुप-केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में 16 दिसंबर 2025 को कृषि उद्यमियों के लिए प्रोत्साहन योजना पर एक सदस्यता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसे एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने प्रायोजित किया था। भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के निदेशक डॉ. जी ए के

and adoption at the field level. Stakeholders deliberated on opportunities and challenges related to raw material sourcing, production logistics, quality control, regulatory approvals, and market linkages. A consolidated set of recommendations will be submitted to the Government of Odisha for consideration as a state-level action plan to support large-scale acid soil management.

Shri Subhranshu Mishra, Additional Secretary, Department of Agriculture and Farmers' Empowerment, Government of Odisha, attended as Chief Guest and highlighted the importance of addressing acid soil challenges and the role of EcoLime in improving farm productivity. The programme was graced by Er. Debabrata Sethi, Environmental Engineer, SPCB Odisha and Dr. Aviraj Dutta, Scientist, ICRISAT Bhubaneswar, as Guests of Honour. The workshop was chaired by Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI.

Eighty-five participants attended the programme, including officials from the State Government, representatives from Tata Steel (Meramandali and Kalinganagar), Vedanta Pvt. Ltd., Harsco India Pvt. Ltd., PRANA Climatech Pvt. Ltd., RM Agrico, Start-ups-Biotex Pvt. Ltd., farmer producer organizations, and farmers from Angul, Dhenkanal, Jharsuguda, Sundargarh, Jajpur, and Cuttack Districts.

Dr. Pratap Bhattacharya, Head of the Crop Production Division and Principal Investigator of the SAFAR project, welcomed the dignitaries and outlined the workshop's objectives. Dr. Manish Debnath, Organizing Secretary; Dr. Rubina Khanam and Dr. D.R. Sarangi Co-organizing Secretaries coordinated the programme.

MoU Exchanged Between ICAR-CRRI, Cuttack and TNAPEX in Presence of Hon'ble Chief Minister of Tamil Nadu

The ICAR-Central Rice Research Institute (CRR), Cuttack signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Tamil Nadu Food Processing and Agricultural Export Promotion Corporation (TNAPEX) in the esteemed presence of the Hon'ble Chief Minister of Tamil Nadu Thiru M.K. Stalin on 7 December 2025 at Madurai.

The MoU aims to foster collaboration between the two organizations to drive innovation, sustainability, and enhanced efficiency in post-harvest processing, value addition, marketing, and export of agricultural and food products. The partnership also focuses

on strengthening allied sectors to boost farmer income and promote agri-based enterprises.

Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, Cuttack, exchanged the MoU with Dr. K. Alagusundaram, MD & CEO of TNAPEX, marking the beginning of a strategic initiative towards transforming the rice value chain and expanding global market opportunities for Indian agricultural produce. Dr. Sivashankari M., Scientist, ICAR-CRRI, also attended the programme.

Mentorship Programme on Support Schemes for CRR Agripreneurs

A Mentorship Programme on Support Schemes for Agripreneurs was organized at ICAR-Central Rice Research Institute (ICAR-CRRI), Cuttack on 16 December 2025, with sponsorship from the Agribusiness Incubation Centre (ABI).

The programme was chaired by Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, Cuttack, who emphasized the importance

कुमार ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की जिन्होंने स्मार्ट खेती इनोवेशन और एग्रीबिजनेस विकास के जरिए शहरी और ग्रामीण दोनों समुदायों में सार्थक प्रभाव पैदा करने के महत्व पर जोर दिया। श्री चिन्मय बेहेरा, अतिरिक्त निदेशक, कृषि, एपीकॉल, भुवनेश्वर, मुख्य संबल व्यक्ति के तौर पर उपस्थित थे और उन्होंने एग्रीकल्चर प्रमोशन एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ ओडिशा लिमिटेड (APICOL) द्वारा कृषि उद्यमियों के लिए दी जाने वाली प्रोत्साहन योजनाओं पर विवरण प्रदान किया। श्री सुभाष कुमार साहू, आईईडीएस, सहायक निदेशक ग्रेड-1, एमएसएमई, कटक, ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र के तहत कृषि उद्यमियों के लिए उपलब्ध विभिन्न प्रोत्साहन योजना पर चर्चा की। यह कार्यक्रम डॉ. बिस्वजीत मंडल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया जिन्होंने पाठ्यक्रम निदेशक के तौर पर कार्य किया। ओडिशा के अलग-अलग भागों से कुल 15 उद्यमियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया जिससे चर्चा बहुत दिलचस्प और जानकारी भरी रही। इस कार्यक्रम को एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की सुश्री श्रुति स्नात पंडा ने सफलतापूर्वक समन्वयन किया।

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक ने श्री चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए 'किसान सम्मान दिवस' मनाया

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर, भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक ने 23 दिसंबर 2025 को संस्थान में 'स्वच्छता पखवाड़ा-2025' के अंतर्गत 'किसान सम्मान दिवस' का



आयोजन किया। इस कार्यक्रम में ओडिशा के कटक जिले से लगभग 105 किसानों और महिला किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जो किसान-केंद्रित अनुसंधान और विस्तार कार्यों के प्रति संस्थान की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भाकृअनुप-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी.ए.के. कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और अपने प्रारंभिक संबोधन में कहा कि सीआरआरआई इस क्षेत्र और पूरे देश के किसानों के कल्याण के लिए समर्पित है। 'संबाद-कनक न्यूज़', कटक के एडिशनल हेड और डी जी एम, श्री कृष्ण प्रसाद दास ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और एक प्रेरणादायक व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने कृषि को सुदृढ़ बनाने और किसानों के सशक्तिकरण में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री चौधरी चरण सिंह के योगदान और विचारों पर प्रकाश डाला। माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने किसानों के लिए नवगठित अधिनियम 'VB-G RAM G' के विशेष प्रावधानों और लाभों पर जोर दिया। भारत के कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, श्री भागीरथ चौधरी ने भी कार्यक्रम के दौरान किसानों तथा आईसीएआर, के वी के और राज्य कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारियों को संबोधित किया। किसानों और वैज्ञानिकों के बीच आयोजित एक संवाद सत्र ने किसानों को अपने खेतों से जुड़ी समस्याओं और उनके तकनीकी समाधानों पर चर्चा करने का एक मंच प्रदान किया। इस कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, पर्यावरण-अनुकूल कीट प्रबंधन पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों और महिला किसानों को 'लाइट ट्रेप' (प्रकाश जाल) वितरित किए गए। आयोजन समिति के सह-अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी.सी. जेना ने सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया, जबकि आयोजन सचिव एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अवधेश कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और मुख्य अतिथि का परिचय कराया। कार्यक्रम का समन्वय वैज्ञानिक एवं सह-आयोजन सचिव डॉ. गौरव कुमार ने किया, तथा इसका संचालन वैज्ञानिक डॉ. रूपक जेना ने किया। कार्यक्रम का समापन श्रीमती चांदमुनी दुइ, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया।

of creating meaningful impacts across both urban and rural communities through smart farming innovations and agribusiness development.

Mr. Chinmaya Behera, Additional Director of Agriculture, APICOL, Bhubaneswar, served as a key resource person and delivered an insightful session on support schemes for agripreneurs offered by the Agricultural Promotion and Investment Corporation of Odisha Limited (APICOL). Mr. Subash Kumar Sahu, IEDS, Assistant Director Grade-I, MSME, Cuttack, deliberated on various support schemes available for agripreneurs under the Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) sector.

The programme was conducted under the guidance of Dr. Biswajit Mondal, who served as the Course Director. Altogether 15 entrepreneurs from different parts of Odisha actively participated in the programme, making the interactions highly engaging and informative. The programme was successfully coordinated by Ms. Shruti Snata Panda of ABI.

ICAR-CRRI, Cuttack Observes Kisan Samman Diwas in Tribute to Shri Chaudhary Charan Singh

On the occasion of the birth anniversary of Shri Chaudhary Charan Singh, former Prime Minister of India, the ICAR-Central Rice Research Institute (ICAR-CRRI), Cuttack organized Kisan Samman Diwas on 23 December 2025 at the Institute under Swachhata

Pakhwada-2025. It witnessed the active participation of about 105 farmers and farm women from Cuttack district of Odisha, reflecting the Institute's strong commitment to farmer-centric research and outreach. Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, presided over the function and said in his opening remarks that CRRI is dedicated to farmers welfare in the region and the country. Shri Krushna Prasad Das, Edition Head & DGM, Sambad-Kanak News, Cuttack, graced the occasion as the Chief Guest and delivered an inspiring lecture highlighting the contributions and ideas of Shri Chaudhary Charan Singh, former Prime Minister of India, in strengthening agriculture and farmer empowerment.

The Hon'ble Union Minister for Agriculture and Farmers' Welfare, Shri Shivraj Singh Chouhan, addressed the participants via online platform. He emphasized on the special provision and benefits of newly formed Act VB-G RAM G to the farmers. Shri Bhagirath Choudhary, Minister of State for Agriculture and Farmers Welfare of India also addressed the farmers and officials from ICAR, KVK and SAUs during the programme. An interactive farmer-scientist interaction session provided a platform for farmers to discuss field-level issues and technological solutions. As part of the event, light traps were distributed to the farmers and farm women to promote eco-friendly pest management practices. Dr. P.C. Jena, Sr. Scientist & Co-Chairman, Organizing Committee warmly welcomed all the dignitaries and participants and Dr. Awadhesh Kumar, Sr. Scientist & Organizing Secretary, presented the programme overview and introduced the Chief Guest. The programme was coordinated by Dr. Gaurav Kumar, Scientist & Co-organizing Secretary and moderated by Dr. Rupak Jena, Scientist. The programme concluded with a formal vote of thanks by Smt. Chandmuni Tudu, Senior Technical Officer.

भाकृअनुप-सीआरआरआई ने हाइब्रिड मोड में 34वां डॉ. गोपीनाथ साहू स्मारक व्याख्यान आयोजित किया

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में, एसोसिएशन ऑफ राइस रिसर्च वर्कर्स द्वारा, डॉ. गोपीनाथ साहू स्मारक ट्रस्ट, कटक और भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के सहयोग से 34वां डॉ. गोपीनाथ साहू स्मारक व्याख्यान 29 दिसंबर 2025 को आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया था, जिससे इसमें प्रत्यक्ष और वर्चुअल, दोनों तरह से भागीदारी संभव हो सकी। कार्यक्रम की शुरुआत उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दिवंगत डॉ. गोपीनाथ साहू की स्नेहपूर्ण स्मृति में दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि अर्पित करने के गंभीर और औपचारिक समारोह के साथ हुई। एसोसिएशन ऑफ राइस रिसर्च वर्कर्स के सचिव डॉ. रामेश्वर प्रसाद साहू ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद, भाकृअनुप-सीआरआरआई के फसल शरीर विज्ञान और जैव रसायन प्रभाग के प्रमुख डॉ. कौशिक चक्रवर्ती ने डॉ. गोपीनाथ साहू के योगदान और उनकी स्थायी विरासत का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया, साथ ही इस स्मारक व्याख्यान के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस समारोह की अध्यक्षता एसोसिएशन ऑफ राइस रिसर्च वर्कर्स के उपाध्यक्ष डॉ. सुमंत कुमार मिश्रा ने की। एसोसिएशन ऑफ राइस रिसर्च वर्कर्स की प्रधान संपादक डॉ. संगीता महांती ने विशिष्ट वक्ता, भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, री-भोई, मेघालय के निदेशक डॉ. अमृत्यु कुमार महांती का औपचारिक परिचय कराया। डॉ. महांती ने "एक सुदृढ़ कृषि-व्यवसाय पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए कृषि में अनुसंधान-उद्योग (R-I) जुड़ाव को मजबूत करना" विषय पर स्मारक व्याख्यान दिया। अपने विचारोत्तेजक संबोधन में, उन्होंने नवाचार को बढ़ावा देने, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को सुगम बनाने और सतत कृषि-व्यवसाय विकास को प्रोत्साहित करने के लिए अनुसंधान संस्थानों और उद्योग के बीच अधिक मजबूत सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया; जिससे वैज्ञानिक अनुसंधान को समाज पर प्रत्यक्ष और ठोस प्रभाव डालने वाले परिणामों में बदला जा सके। डॉ. गोपीनाथ साहू स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. पी.के. महापात्र ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बहुमूल्य मार्गदर्शन और अटूट सहयोग प्रदान किया। भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के निदेशक डॉ. प्रताप भट्टाचार्य ने भी इस कार्यक्रम के लिए अपना प्रोत्साहन और समर्थन प्रदान किया। मुख्य अतिथि, स्वर्गीय डॉ. गोपीनाथ साहू की पत्नी श्रीमती बसंती साहू की उपस्थिति ने इस अवसर को विशेष गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम का समापन एसोसिएशन ऑफ राइस रिसर्च वर्कर्स के पार्षद डॉ. मिलन कुमार लाल द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ; उन्होंने इस स्मृति व्याख्यान के सफल आयोजन में अपने योगदान के लिए आयोजकों, एसोसिएशन ऑफ राइस रिसर्च वर्कर्स सदस्यों, वक्ता, गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में स्वच्छता पखवाड़ा-2025

डेयर के सचिव और आईसीएआर के महानिदेशक के निर्देशों के अनुसार, भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक ने स्वच्छता पखवाड़ा-2025 (16-31 दिसंबर 2025) की शुरुआत के अवसर पर 16 दिसंबर 2025 को डॉ. के. रामेया सम्मेलन कक्ष में 'स्वच्छता शपथ दिवस' का आयोजन किया। डॉ. श्रीकांत लेंका ने प्रतिभागियों को नियोजित गतिविधियों के बारे में जानकारी दी; भाकृअनुप-सीआरआरआई के निदेशक ने स्वच्छता शपथ दिलाई; और 'स्वच्छता गान' प्रदर्शित किया गया। श्री गणेश कुमार, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने 'सिंगल-यूज प्लास्टिक' (एकल-उपयोग प्लास्टिक) और तंबाकू उत्पादों के उपयोग से बचने पर जोर दिया; वहीं LED स्क्रीन और बैनरों के माध्यम से स्वच्छता संदेश प्रदर्शित किए गए। लगभग 80 अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और 'स्वच्छ भारत अभियान' के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। स्वच्छता पखवाड़ा-2025 का समापन समारोह 2 जनवरी 2026 को आयोजित किया गया। इसकी शुरुआत 'स्वच्छ भारत समिति' के अध्यक्ष डॉ. श्रीकांत लेंका के प्रारंभिक संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने 16-31 दिसंबर 2025 के दौरान चलाए गए स्वच्छता अभियानों, जागरूकता कार्यक्रमों और सामुदायिक

ICAR-CRRI Hosts 34th Dr. Gopinath Sahu Memorial Lecture in Hybrid Mode

The 34th Dr. Gopinath Sahu Memorial Lecture was organized on 29 December 2025 at the ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack, by the Association of Rice Research



Workers (ARRW) in association with the Dr. Gopinath Sahu Memorial Trust, Cuttack, and ICAR-CRRI, Cuttack. The programme was conducted in hybrid mode, enabling both physical and virtual participation.

The programme commenced with a solemn ceremonial lighting of the lamp and floral tribute by the dignitaries present, in fond remembrance of Late Dr. Gopinath Sahu. Dr. Rameswar Prasad Sah, Secretary, ARRW, delivered the welcome address. This was followed by a brief account of the contributions and enduring legacy of Dr. Gopinath Sahu, along with the significance of

the memorial lecture, presented by Dr. Koushik Chakraborty, Head, Crop Physiology and Biochemistry Division, ICAR-CRRI.

The function was presided over by Dr. Sumanta Kumar Mishra, Vice-President, ARRW. Dr. Sangita Mohanty, Editor-in-Chief, ARRW, formally introduced the distinguished speaker, Dr. Amulya Kumar Mohanty, Director, ICAR-Agricultural Technology Application Research Institute (ATARI), Ri-Bhoi, Meghalaya.

Dr. Mohanty delivered the memorial lecture on "Strengthening Research-Industry (R-I) Linkage in Agriculture for Developing a Robust Agri-Business Ecosystem." In his thought-provoking address, he emphasized the need for stronger collaboration between research institutions and industry to enhance innovation, facilitate technology transfer, and promote sustainable agri-business development, thereby translating scientific research into tangible societal impact.

Dr. P.K. Mohapatra, President, Dr. Gopinath Sahu Memorial Trust, provided valuable guidance and unwavering support for the successful organization of the programme. Dr. Pratap Bhattacharyya, Director, ICAR-CRRI, Cuttack extended their encouragement and support to the event. The presence of the Guest of Honour, Mrs. Basanti Sahu, wife of Late Dr. Gopinath Sahu, added special significance to the occasion.

The programme concluded with a vote of thanks proposed by Dr. Milan Kumar Lal, Councilor, ARRW, who expressed sincere gratitude to the organizers, ARRW members, speaker, dignitaries, and participants for their contributions toward the successful conduct of the memorial lecture.

Swachhata Pakhwada-2025 at ICAR-CRRI, Cuttack

As per the directions of the Secretary, DARE & DG, ICAR, ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack organized Swachhata Pledge Day on 16 December 2025 at Dr. K. Ramiah Conference Hall to mark the commencement of Swachhata Pakhwada-2025 (16-31 December 2025). Dr. Srikanta Lenka briefed participants on the planned activities, the Director, ICAR-CRRI administered the Swachhata Pledge, and the Swachhata Anthem was displayed. Shri Ganesh Kumar, Sr. AO, stressed avoiding single-use plastics and tobacco products, while Swachhata messages were displayed through LED screens and banners. About 80 officers and staff participated and reaffirmed their commitment to the Swachh Bharat Abhiyan. The concluding function of Swachhata Pakhwada-2025, held on 2 January 2026, began with opening remarks by Dr. Srikanta Lenka, Chairman, Swachh Bharat Committee, highlighting the cleanliness drives, awareness programmes, and community engagement activities conducted during 16-31 December 2025. Mr. Ashisha Kumar Sethy, Assistant Teacher, CRRI Government



भागीदारी की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। CRRRI सरकारी हाई स्कूल के सहायक शिक्षक श्री आशीष कुमार सेठी और कन्हैपुर गाँव के निवासियों ने स्वच्छता, कचरे के पृथक्करण (अलग करने) और सामूहिक ज़िम्मेदारी के विषय पर अपने विचार साझा किए। कटक नगर निगम के उपायुक्त (स्वच्छता) श्री जुबली बेहरा ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई और प्रभावी शहरी स्वच्छता के लिए समन्वित प्रयासों पर जोर दिया। भाकूअनुप-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी.ए.के. कुमार ने कचरे को उसके स्रोत पर ही कम करने, कृषि क्षेत्र में कचरे के अभिनव उपयोग और सतत विकास के लिए जन-जागरूकता के महत्व पर जोर दिया। सीआरआरआई सरकारी हाई स्कूल के विद्यार्थियों को चित्रकला और निबंध प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कार वितरित किए गए; साथ ही, डॉ. रुबीना खानम को उनके व्याख्यान—'कचरे को धन में बदलना: कृषि के लिए सतत नवाचार'—हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ. अरबिंद महंती द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ और इसका संचालन डॉ. रुबीना खानम ने किया।

High School, and residents of Kanheipur village shared their views on cleanliness, waste segregation, and collective responsibility. Mr. Jubuli Behera, Deputy Commissioner (Sanitation), Cuttack Municipal Corporation, graced the occasion as Chief Guest and emphasized coordinated efforts for effective urban sanitation.

Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, stressed waste reduction at source, innovative waste utilization in agriculture, and the importance of public awareness for sustainable development. Prizes were distributed to CRRI Government High School students for drawing and essay competitions, and Dr. Rubina Khanam was felicitated for her lecture on Converting waste into wealth: sustainable innovations for agriculture. The programme concluded with a vote of thanks by Dr. Arabinda Mahanty and was moderated by Dr. Rubina Khanam.

प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस अवधि के दौरान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्रों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

Training Programmes

During the period following training programmes were organized by the institute, regional stations and KVKs.

Title of the training	Duration/Date	Course Director & Coordinators	Sponsor	No. of participants
Management Micro irrigation system in orchard	6 October 2025	Dr. Bhoopendra Singh	ICAR	25
Integrated disease management in maize	8 October 2025	Ms. Nupur Choudhary	ICAR	25
Potential entrepreneur opportunity agri horticultural system	14 October 2025	Mr. Vinay Kumar	ICAR	25
Integrated Pest Management in Brinjal	16 October 2025	Dr. Rajan Kamboj	ICAR	25
Scientific cultivation of marigold	23 October 2025	Dr. Bhoopendra Singh	ICAR	55
Scientific cultivation of onion	24 October 2025	Dr. Bhoopendra Singh	ICAR	25
Natural Farming	22-24 October 2025	Dr. B. Raghavendra Goud, Dr. Raghu S	TSP	150
Nematodes in Mechanized Direct Seeded Rice and its management through Biocontrol Agents	24 October 2025	Dr. Shyamaranjan Das Mohapatra, Dr. Rupak Jena, Dr. Milan Kumar Lal	EAP-459	150
Integrated Pest Management in Rice	24 October 2025	Dr. Rajan Kamboj	ICAR	25
Selection of technology for farm women	29 October 2025	Mr. Vinay Kumar	ICAR	25
Importance of Soil Health & Sustainable farming	30 October 2025	Mr. Debrup Ghosh	ICAR	25

Planning and layout of organic nutritional gardening establishment	30 October 2025	Dr. Chanchila Kumari	ICAR	25
Importance of balanced diet for adolescence girl	30 October 2025	Dr. Chanchila Kumari	ICAR	25
Scientific Poultry Management	31 October 2025	Dr. R.K. Mohanta	ICAR	25
Green Manuring for fertility improvement	31 October 2025	Mr. Debrup Ghosh	ICAR	25
Minimization of nutrient loss in processing	31 October 2025	Dr. Chanchila Kumari	ICAR	25
Methods of increasing Nitrogen use efficiency in Rice	3 November 2025	Dr. D.R. Sarangi	ICAR	25
Pusa STFR meter: Use and Application	3-7 November 2025	Mr. Debrup Ghosh	ICAR	25
IDM for blast and sheath blight in paddy	4 November 2025	Ms. Nupur Choudhary	ICAR	25
Gender mainstreaming through SHGs	4 November 2025	Dr. Chanchila Kumari	ICAR	25
Awareness of central and state sponsored schemes in agriculture	4 November 2025	Mrs. B. Mounika	ICAR	25
Introduction of various farm implements to reduce the drudgery of farm women	6 November 2025	Dr. Chanchila Kumari	ICAR	25
Training on different varieties of oyster mushroom and its scientific production technology	7 November 2025	Dr. Chanchila Kumari	ICAR	25
Scientific cultivation of tomato	7 November 2025	Dr. Bhoopendra Singh	ICAR	25
Integrated disease management in rabi crops	7 November 2025	Ms. Nupur Choudhary	ICAR	25
Income generation activity through Poshan vatika	10-14 November 2025	Dr. Chanchila Kumari	ICAR	25
Different IFS module suitable for Koderma district	12 November 2025	Mr. Vinay Kumar	ICAR	25
Integrated Pest Management in Brinjal	13 November 2025	Dr. Rajan Kamboj	ICAR	25
Trimming and pruning	17 November 2025	Mr. Rupesh Ranjan	ICAR	25
Management of young plants/ orchards	19 November 2025	Mr. Rupesh Ranjan	ICAR	25
Production technologies	20 November 2025	Mr. Rupesh Ranjan	ICAR	25
Low-cost scientific production of Trichoderma for sustainable rice disease management	17-21 November 2025	Ms. Nupur Choudhary	ICAR	25
Protected cultivation of vegetable	20 November 2025	Dr. Bhoopendra Singh	ICAR	20
Integrated Pest Management in Rice	20 November 2025	Dr. Rajan Kamboj	ICAR	25
Climate Smart Agricultural Practices for Enhancing Resilience and Profitability in Rice-Based Cropping System	18-21 November 2025	Dr. Anjani Kumar	World Bank-funded Uttarakhand Climate Resilient Rainfed Farming Project (UCRRFP)	16

Quality Seed Production of Climate-Resilient Rice Varieties	21 November 2025	Dr. S.K. Dash, Dr. Rupak Jena	RKVY, Govt. of Odisha	280
Awareness of central and state sponsored schemes in agriculture	21 November 2025	Mrs. B. Mounika	ICAR	25
Role of FPO in strengthening farmers economy	23 November 2025	Mr. Vinay Kumar	ICAR	25
Scientific Poultry Farming for better livelihood	25 November 2025	Dr. R.K. Mohanta, Dr. P.C. Jena, Dr. R. Kamboj	SCSP	130
Capacity building training programme for farmers friend in IFS mode	26 November 2025	Mr. Vinay Kumar	ICAR	25
Integrated farming system	26 November 2025	Mr. Rupesh Ranjan	ICAR	25
Rejuvenating of old orchards	28 November 2025	Mr. Rupesh Ranjan	ICAR	25
Scientific Poultry Farming for better livelihood	28 November 2025	Dr. R.K. Mohanta, Dr. P.C. Jena, Dr. R. Kamboj	SCSP	100
Micro irrigation system of orchard	1 December 2025	Mr. Rupesh Ranjan	ICAR	25
Early nursery raising production technology	1-5 December 2025	Dr. Bhoopendra Singh	ICAR	25
Production of biocontrol and bio pesticides	2 December 2025	Ms. Nupur Choudhary	ICAR	25
Linkage chain of nursery grower for seedling supply	3 December 2025	Mr. Vinay Kumar	ICAR	25
Production technologies	3 December 2025	Mr. Rupesh Ranjan	ICAR	25
Scientific Poultry Farming for better livelihood	3 December 2025	Dr. R.K. Mohanta, Dr. P.C. Jena, Dr. R. Kamboj	SCSP	120
Nursery management	5 December 2025	Mr. Rupesh Ranjan	ICAR	25
Use of waste decomposer for vegetables and crops	5 December 2025	Mr. Vinay Kumar	ICAR	25
Layout and management of orchard	8 December 2025	Mr. Rupesh Ranjan	ICAR	25
Preventive strategies of late blight of potato and tomato	9 December 2025	Ms. Nupur Choudhary	ICAR	25
Parasitic infestation and their management in livestock	9 December 2025	Dr. R.K. Mohanta	ICAR	25
Integrated farming system in agro forestry	10 December 2025	Mr. Rupesh Ranjan	ICAR	25
How to use mobile app developed by ICAR	8 November-12 December 2025	Mr. Vinay Kumar	ICAR	25
Soil Health Management for higher production	12 December 2025	Dr. D.R. Sarangi	ICAR	25
Nematodes in mechanized direct seeded rice and their management through biocontrol agents	12 December 2025	Dr. Shyamaranjan Das Mohapatra, Dr. Rupak Jena, Dr. Raghu S and Dr. Gaurav Kumar	EAP-459	250
Fertilizer dose calculation for balanced fertilization	12 December 2025	Mr. Debrup Ghosh	ICAR	25
Parasitic infestation and their management in livestock	15 December 2025	Dr. R.K. Mohanta	ICAR	25

Building Farmer's Capacity via Quality Seed Production of Climate Resilient Rice Variety	17 December 2025	Dr. S. K. Dash, Dr. K. Chattopadhyay, Dr. L. K. Bose, Dr. J. Meher, Dr. S. Paul, and Dr. Reshmi Raj K.R	RKVY, Department of Agriculture and Farmers' Empowerment, Govt. of Odisha	100
Integrated disease management in mustard	18 December 2025	Ms. Nupur Choudhary	ICAR	25
Technique for soil moisture conservation in dryland farming	19 December 2025	Mr. Debrup Ghosh	ICAR	25
Soil Health Management for higher production	15-19 December 2025	Dr. D.R. Sarangi	ICAR	27
Preparation techniques of organic inputs	23 December 2025	Mr. Debrup Ghosh	ICAR	25
Awareness of central and state sponsored schemes in agriculture	24 December 2025	Mrs. B. Mounika	ICAR	25
Strengthening Rice Farmers' Skills for Quality Seed Production of Climate-Resilient Varieties	29 December 2025	Dr. S. K. Dash, Dr. Jitendriya Meher, Dr. Raghavendra Goud and Dr. Raghu S	RKVY, Department of Agriculture and Farmers' Empowerment, Govt. of Odisha	136
Awareness of central and state sponsored schemes in agriculture	30 December 2025	Mrs. B. Mounika	ICAR	25
Scientific Poultry Farming	31 December 2025	Dr. R.K. Mohanta	ICAR	25
Importance of FPO's for improving Livelihood & Food security	31 December 2025	Mrs. B. Mounika	ICAR	25
Integrated Pest Management in Rice	31 December 2025	Dr. Rajan Kamboj	ICAR	25

प्रदर्शनी में प्रतिभागिता

भाक अनुप-केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान ने इस अवधि के दौरान विभिन्न कृषि प्रदर्शनियों में भाग लिया और किसानों और हितधारकों को लाभान्वित करने के लिए उन्नत चावल उत्पादन प्रौद्योगिकियों और नवाचारों का प्रदर्शन किया।

- भुवनेश्वर में एस ओ ए डीमड विश्वविद्यालय में 11 नवंबर 2025 को आयोजित 19वां AZRA अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, मेघालय में 17 नवंबर 2025 को आयोजित क्षेत्रीय कृषि मेला 2025-26 में भाग लिया।
- कुलतली, पश्चिम बंगाल में 25 दिसंबर 2025 को आयोजित 29वां सुंदरबन क्रिस्टी मेला ओ लोक संस्कृति उत्सव में भाग लिया।

आगंतुक

वर्ष 2025 के अक्टूबर-दिसंबर की अवधि के दौरान भारत के विभिन्न राज्यों जैसे ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से किसानों, महिला किसानों, विद्यार्थियों और कृषि अधिकारियों सहित कुल 2609 आगंतुकों ने संस्थान का दौरा किया। उन्हें कृषि सलाहकार सेवा प्रणाली से अवगत कराया गया।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भाक अनुप-केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), कटक, ओडिशा ने कृषि अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए इस अवधि के दौरान कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

Participation in Exhibition

ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI) actively participated in various agricultural exhibitions during the period, showcasing advanced rice production technologies and innovations to benefit farmers and stakeholders.

- 19th AZRA International Conference at SOADU, Bhubaneswar, Bhubaneswar on 11 November 2025.
- Regional Agricultural Fair 2025-26, at Central Agriculture University, Meghalaya on 17 November 2025.
- 29th Sundarban Krišti Mela O Loka Sanskriti Utsav, at Kulatali, West Bengal on 25 December 2025.

Visitors

Altogether 2609 visitors comprising of farmers, farmwomen, students and Agriculture Officers from different states of India viz., Odisha, Jharkhand, Maharashtra and Chhattisgarh, visited the institute during the period of October-December' 2025. They were exposed to agro advisory services system of the institute during their visit.

MoUs Signed

ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack, Odisha, signed several Memorandums of Understanding (MoUs) during the period to foster collaborations in agricultural research, technology transfer, and capacity building.

Name of the Technology	Name of the Institute/Company	Date of MoU
MoU for Inbred Variety CR Dhan 108, CR Dhan 810, CR Dhan 416, CR Dhan 807	ICAR-CRRI and M/s BASANT AGRO TECH (i) LTD, NAGPUR	14 October 2025
Memorandum of Understanding (MoU) between the Tamil Nadu Food Processing and Agri Export Promotion Corporation and ICAR-CRRI, Cuttack	Tamil Nadu Food Processing and Agri Export Promotion Corporation	7 December 2025

सीआरआरआई क्षेत्रीय केंद्र, हजारीबाग टीएसपी और एससीएसपी (2025) के तहत गतिविधियाँ

CRRI Regional Station, Hazaribagh Activities under TSP and SCSP (2025)



जनजातीय उप-योजना के तहत, 1 से 15 नवंबर 2025 तक गोद लिए गए गाँवों गगारी, अरकेराम, हिंदेबिली, चनारो, दसौराखप और कसियाडीह में "जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा" का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत क्षेत्र भ्रमण, जागरूकता कार्यक्रम, किसान गोष्ठियाँ और किसानों के प्रशिक्षण जैसी गतिविधियाँ संचालित की गईं। अंबाझरिया, लोवाहातु, हिंदेबिली और कसियाडीह के 20-20 किसानों को पावर स्प्रेयर (80) और सीआरआरआई लीफ कलर चार्ट (80) का प्रदर्शन किया गया और उनका वितरण किया गया। अनुसूचित जाति उप-योजना के तहत, 27 नवंबर, 4 दिसंबर और 5 दिसंबर 2025 को आसिया, लेदाही, अलौंजा खुर्द, चरही और भेलवाटांड के 330 लाभार्थियों को धान के पैडल थ्रेशर और बैटरी-चालित बैकपैक स्प्रेयर वितरित किए गए।

Under the Tribal Sub-Plan (TSP), "Janjatiya Gaurav Varsh Pakhwada" was organized from 1-15 November 2025 in adopted villages, including Gagari, Arakeram, Hindebili, Chanaro, Dasokhap, and Kasiyadh. Activities such as field visits, awareness programmes, Kisan Goshthis, and farmers' training were conducted. Power sprayers (80) and CRRI Leaf Colour Charts (80) were demonstrated and distributed to 20 farmers each from Ambajheria, Lowahatu, Hindebili, and Kasiyadh. Under the Scheduled Caste Sub-Plan (SCSP), paddy pedal threshers and battery-operated backpack sprayers were distributed to 330 beneficiaries from Asiya, Ledahi, Alaunja Khurd, Charhi, and Bhelwatand on 27 November, 4 December, and 5 December 2025.

कृषि विज्ञान केंद्र कार्यक्रम

KVK Programmes

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक

KVK, Cuttack

प्रधानमंत्री-डीडी केवाई-2025 कार्यक्रम

PM-DDKY-2025 Programme

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना-2025 कार्यक्रम 11 अक्टूबर 2025 को संधपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा प्रधानमंत्री-डीडी केवाई, धान की फसल को नुकसान पहुँचाने वाले मुख्य कीटों की समस्याओं, प्राकृतिक खेती, मृदा प्रबंधन और विभिन्न कृषि योजनाओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में लगभग 200 किसानों ने भाग लिया और प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा वेबकास्ट देखा। कार्यक्रम का समापन एक परिचर्चा सत्र के साथ हुआ, और इस पूरे आयोजन का समन्वय कृषि विज्ञान केंद्र की टीम द्वारा किया गया।

The Prime Minister Dhan-Dhaanya Krishi Yojana (PM-DDKY)-2025 programme was organized on 11 October 2025 at the KVK campus, Santhapur. The programme included briefings on PM-DDKY, major rice pest issues, natural farming, soil management, and agricultural schemes by KVK scientists. About 200 farmers participated and watched the live webcast of the Prime Minister's address. The programme concluded with an interactive session, and the KVK team coordinated the event.

क्षेत्रीय अनुभव-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने नार्म से आए छह एआरएस परिवीक्षाधीन वैज्ञानिकों के लिए एक महीने का 'क्षेत्रीय अनुभव-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम' आयोजित किया। गाँव का सर्वेक्षण और विश्लेषण पूरा करने के बाद, प्रशिक्षुओं ने 15 अक्टूबर 2025 को कटक के टांगी-चौद्वार ब्लॉक के करंजी गाँव में 'क्षेत्रीय अनुभव-आधारित प्रशिक्षण निगरानी टीम की उपस्थिति में एक गाँव-स्तरीय संगोष्ठी आयोजित की। इस कार्यक्रम में रंगोली का उपयोग करके गाँव की सहभागितापूर्ण मैपिंग की गतिविधि शामिल थी, जिसके बाद आईसीएआर-सीआरआरआई, कटक में संस्थान-स्तरीय संगोष्ठी आयोजित की गई। प्रशिक्षुओं ने अपने क्षेत्रीय अनुभव और अवलोकन प्रस्तुत किए, जिसमें उन्होंने कृषि से जुड़े प्रमुख मुद्दों और उनके व्यावहारिक, विज्ञान-आधारित समाधानों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में उत्पादकता और टिकाऊ आजीविका को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक ज्ञान को स्थानीय प्रथाओं के साथ एकीकृत करने पर ज़ोर दिया गया।



FET Programme

KVK, Cuttack hosted six ARS probationary scientists from NAARM for a month-long Field Experiential Training (FET) programme. After completing village surveys and analysis, the trainees conducted a village seminar on 15 October 2025 at Karanji village, Tangi-Choudwar block, Cuttack, in the presence of the FET Monitoring Team. The programme included a participatory village mapping activity using Rangoli, followed by an institute-level seminar at ICAR-CRRI, Cuttack. The trainees presented their field experiences and observations, highlighting key agricultural issues and practical, science-based solutions. The programme emphasized integrating scientific knowledge with local practices to enhance productivity and sustainable livelihoods.

राष्ट्रीय महिला किसान दिवस-2025

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 15 अक्टूबर 2025 को टांगी-चौद्वार प्रखंड के जमुना गाँव में 'राष्ट्रीय महिला किसान दिवस 2025' मनाया। इस कार्यक्रम में कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित किया गया और कौशल विकास तथा उद्यमिता के माध्यम से उनके सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। आईसीएआर-नार्म के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एन. श्रीनिवास राव और कृषि विज्ञान केंद्र कटक के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर.के. मोहंता ने महिला किसानों को उन्नत तकनीकों को अपनाने और अपनी आजीविका को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान महिला किसानों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं और सहायता उपायों पर चर्चा की गई, जिसके बाद विशेषज्ञों के साथ परिचर्चा सत्र आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देने पर भी ज़ोर दिया गया।



Rashtriya Mahila Kisan Diwas-2025

KVK, Cuttack celebrated Rashtriya Mahila Kisan Diwas 2025 at Jamana village, Tangi-Choudwar block on 15 October 2025. The programme highlighted the role of women in agriculture and focused on their empowerment through skill development and entrepreneurship. Dr. N. Srinivasa Rao, Principal Scientist, ICAR-NAARM, and Dr. R.K. Mohanta, Senior Scientist and Head, KVK Cuttack, encouraged farm women to adopt improved technologies and enhance their livelihoods. Government schemes and support for women farmers were discussed, followed by interactive sessions with experts. The programme also emphasized collective action through Self-Help Groups (SHGs).

विश्व खाद्य दिवस-2025

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 16 अक्टूबर 2025 को सीआरआरआई हाई स्कूल, कटक में "बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य के लिए मिलकर" विषय के साथ विश्व खाद्य दिवस-2025 मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के बीच पोषण, खाद्य सुरक्षा और टिकाऊ कृषि के बारे में जागरूकता पैदा करना था। कृषि विज्ञान केंद्र, कटक के वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख डॉ. आर.के. मोहंता ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में किसानों और युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. आर. कंबोज और श्रीमती बी. मौनिका ने पौष्टिक आहार, भोजन की गुणवत्ता, भोजन की बर्बादी कम करने और स्वस्थ खान-पान की आदतों के महत्व पर ज़ोर दिया। एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें दस स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कार दिए गए।



World Food Day-2025

KVK, Cuttack celebrated World Food Day-2025 on 16 October 2025 at CRRI High School, Cuttack, with the theme "Hand in Hand for Better Food and a Better Future." The programme aimed to create awareness among students about nutrition, food security, and sustainable agriculture. Dr. R.K. Mohanta, Senior Scientist & Head, KVK Cuttack, highlighted the role of farmers and youth in ensuring food security. Dr. R. Kamboj and Mrs. B. Mounika emphasized the importance of nutritious diets, food quality, reducing waste, and healthy eating habits. A quiz competition was also organized, with students from ten schools participating and winners receiving prizes.

स्वच्छता पर विशेष अभियान 5.0

स्वच्छता पर विशेष अभियान 5.0 के तहत, कृषि विज्ञान केंद्र, आईसीएआर-सीआरआरआई, कटक ने स्वच्छ भारत मिशन के अनुरूप 1 से 31 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छता और जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित कीं। आसपास के स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, ताकि इंटरैक्टिव सत्रों, प्रश्नोत्तरी और चित्रकला प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों को स्वच्छता और साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया जा सके। कृषि विज्ञान केंद्र परिसर के भीतर भी स्वच्छता अभियान चलाए गए, जिसमें प्रशासनिक भवन और आसपास के क्षेत्र शामिल थे और इनमें कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अभियान ने छात्रों और कर्मचारियों के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूकता और सकारात्मक दृष्टिकोण को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया।



Special Campaign 5.0 on Swachhata

Under Special Campaign 5.0 on Swachhata, KVK, ICAR-CRRI, Cuttack conducted cleanliness and awareness activities from 1 to 31 October 2025 in alignment with the Swachh Bharat Mission. Awareness programmes were organized in nearby schools to sensitize students on hygiene and cleanliness through interactive sessions, quizzes, and drawing competitions. Cleanliness drives were also carried out within the KVK premises, including administrative buildings and surrounding areas, with active participation of staff members. The campaign successfully promoted

awareness and positive attitudes towards cleanliness among students and staff.

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के अंतर्गत, जिसकी थीम “सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी” थी, कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 27 अक्टूबर 2025 को ‘सत्यनिष्ठा की शपथ’ ली। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने इसमें भाग लिया और सार्वजनिक सेवा में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

राष्ट्रीय एकता दिवस

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 31 अक्टूबर 2025 को सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में, टांगी-चौद्वार प्रखंड के मंगलपुर गाँव में ‘राष्ट्रीय एकता दिवस’ मनाया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय एकता और अखंडता पर जोर दिया गया, जिसमें किसानों और ग्रामीणों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. आर.के. मोहंता ने भारत की एकता को सुदृढ़ बनाने में सरदार पटेल की भूमिका पर प्रकाश डाला और राष्ट्र-निर्माण के लिए सामूहिक जिम्मेदारी निभाने हेतु प्रोत्साहित किया।

जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा-2025

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 1 से 15 नवंबर 2025 तक टांगी-चौद्वार प्रखंड के मुडासाही, कडेई और करंजी जैसे जनजातीय गांवों में ‘जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा-2025’ मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिक खेती के तरीकों को बढ़ावा देना और कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों में केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना था। इस दौरान “पशुधन में परजीवी संक्रमण और उनका प्रबंधन” विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. आर.के. मोहंता ने पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिए डीवर्मिंग (कीड़े मारने की दवा), स्वच्छता और वैज्ञानिक प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। सुश्री बी. मौनिका ने कृषि योजनाओं पर चर्चा की, जबकि डॉ. डी.आर. सड़गी और डॉ. राजन कंबोज ने मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और धान की फसल में भूरा पौध माहू नियंत्रण पर मार्गदर्शन प्रदान किया। इस कार्यक्रम ने जनजातीय किसानों के बीच जागरूकता बढ़ाने और उनकी क्षमता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विश्व मृदा दिवस-2025 का आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 5 दिसंबर 2025 को अपने संधपुर परिसर में विश्व मृदा दिवस-2025 मनाया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम था जिसमें स्कूली छात्र, किसान और विस्तार अधिकारी शामिल हुए। मृदा स्वास्थ्य के बारे में जानकारी बढ़ाने के लिए, कडेई प्रोजेक्ट यूपी स्कूल के छात्रों के लिए वाद-विवाद और चित्रकला प्रतियोगिताओं जैसी जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

प्रगतिशील किसानों और विस्तार अधिकारियों के लिए “स्वस्थ शहरों के लिए स्वस्थ मृदा” विषय पर एक हितधारक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें 50 सदस्यों ने भाग लिया। डॉ. रंजन मोहंता और डॉ. डी.आर. सड़गी ने मृदा

Vigilance Awareness Week-2025

As part of Vigilance Awareness Week-2025 with the theme “Vigilance: Our Shared Responsibility,” KVK Cuttack observed the Integrity Pledge on 27 October 2025. All officials and staff participated, reaffirming their commitment to integrity, transparency, and accountability in public service.

Rashtriya Ekta Diwas

KVK, Cuttack celebrated Rashtriya Ekta Diwas on 31 October 2025 at Mangalpur village, Tangi-Choudwar block, to commemorate Sardar Vallabhbhai Patel. The programme emphasized national unity and integrity, with active participation from farmers and villagers. Dr. R.K. Mohanta highlighted Sardar Patel’s role in strengthening India’s unity and encouraged collective responsibility for nation-building.

Janjatiya Gaurav Varsh Pakhwada-2025

KVK, Cuttack celebrated Janjatiya Gaurav Varsh Pakhwada-2025 from 1 to 15 November 2025 in tribal villages such as Mundasahi, Kadei, and Karanji of Tangi-Choudwar block. The programme aimed to promote scientific farming practices and create awareness about Central and State Government schemes in agriculture and allied sectors. A training programme on “Parasitic Infestations and Their Management in Livestock” was conducted, where Dr. R.K. Mohanta highlighted the importance of deworming, hygiene, and scientific management for improving animal health. Ms. B. Mounika discussed agricultural schemes, while Dr. D.R. Sarangi and Dr. Rajan Kamboj provided guidance on soil health management and BPH control in rice. The programme enhanced awareness and capacity building among tribal farmers.

Celebration of World Soil Day-2025

KVK, Cuttack celebrated World Soil Day-2025 on 5 December 2025 at its Santhapur campus with a two-day programme involving school students, farmers, and extension functionaries. Awareness activities, including debate and drawing competitions, were conducted for students of Kadei Project UP School to promote knowledge on soil health.

A stakeholder workshop on the theme “Healthy Soils for Healthy Cities” was organized for progressive farmers and extension officials, with the participation of 50 members. Dr. Ranjan Mohanta and Dr. D.R. Sarangi highlighted the importance of soil health, while participants shared their

स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि प्रतिभागियों ने मृदा प्रबंधन और फसल उत्पादकता में सुधार के लिए अपने विचार और अपेक्षाएँ साझा कीं। इस कार्यक्रम में डॉ. आर. कंबोज, श्रीमती बी. मौनिका और कृषि विज्ञान केंद्र टीम का सहयोग रहा।

किसान सम्मान दिवस-2025

किसानों को सम्मानित करने और टिकाऊ कृषि तथा सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 23 दिसंबर 2025 को कृषि विज्ञान केंद्र, संथपुर में 'किसान सम्मान दिवस-2025' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 100 किसानों और महिला किसानों ने भाग लिया। डॉ. डी.आर. सुडुगी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और राष्ट्रीय विकास में किसानों के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. राजन कंबोज ने किसान-केंद्रित पहलों पर चर्चा की और किसानों के साथ धान में कीट प्रबंधन विषय पर बातचीत की। प्रतिभागियों ने कृषि मंत्रालय और आईसीएआर के वरिष्ठ अधिकारियों की विशेषता वाले लाइव वेबकास्ट को देखा। श्रीमती बी. मौनिका ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक सत्र और नवाचारी किसानों के सम्मान के साथ हुआ।



views and expectations for improving soil management and crop productivity. The programme was supported by Dr. R. Kamboj, Mrs. B. Mounika, and the KVK team.

Kisan Samman Diwas-2025

Kisan Samman Diwas-2025 was organized on 23 December 2025 at KVK, Santhapur to honour farmers and promote awareness on sustainable agriculture and government schemes. About 100 farmers and farm women participated in the programme. Dr. D.R. Sarangi welcomed the participants and highlighted the importance of farmers in national development. Dr. Rajan Kamboj discussed farmer-centric initiatives and interacted with farmers on pest management in rice. Participants viewed the live webcast featuring senior officials of the Ministry of Agriculture and ICAR. Mrs. B. Mounika delivered the vote of thanks. The programme concluded with an interactive session and felicitation of innovative farmers.

विश्व वन हेल्थ दिवस समारोह-2025

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 3 नवंबर 2025 को रत्नाकर विद्यामंदिर, बिरिबाटी, कटक में 'स्वच्छता और विश्व वन हेल्थ दिवस' का आयोजन किया। इसका उद्देश्य छात्रों में स्वच्छता, साफ-सफाई और 'वन हेल्थ' की अवधारणा के प्रति जागरूकता पैदा करना था। डॉ. आर.के. मोहंता ने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला और मानव, पशु तथा पर्यावरण के स्वास्थ्य के बीच के आपसी जुड़ाव को समझाया। डॉ. राजन कंबोज और श्रीमती बी. मौनिका ने छात्रों को स्वच्छता से जुड़ी आदतें अपनाने और पर्यावरण के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रश्नोत्तरी और चित्रकला प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का समन्वय स्कूल प्रशासन और कृषि विज्ञान केंद्र की टीम द्वारा किया गया।



World One Health Day Celebration-2025

KVK, Cuttack organized Swachhata and World One Health Day on 3 November 2025 at Ratnakar Vidyamandir, Biribati, Cuttack, to create awareness among students about hygiene, sanitation, and the *One Health* concept. Dr. R.K. Mohanta highlighted the importance of cleanliness and explained the interconnection between human, animal, and environmental health. Dr. Rajan Kamboj and Mrs. B. Mounika encouraged students to adopt hygienic habits and environmental responsibility. Quiz and drawing competitions were also conducted to promote active participation. The programme was coordinated by the school authorities and KVK team.

के यू एस कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 12 और 15 दिसंबर 2025 को ओयुएटी, एस ओ ए डीमड विश्वविद्यालय, श्री श्री यूनिवर्सिटी और सेंचुरियन यूनिवर्सिटी के बी एस सी. (कृषि/बागवानी) के अंतिम वर्ष के 58 छात्रों के लिए एक भ्रमण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि तकनीकों और विस्तार गतिविधियों पर व्यावहारिक, प्रत्यक्ष शिक्षण प्रदान करना था। छात्रों को फसल उत्पादन पद्धतियों, बागवानी उपायों और चल रहे प्रदर्शन कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई, साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के साथ संवादात्मक सत्र भी आयोजित किए गए।



KUS Programme

KVK, Cuttack organized an exposure visit-cum-training programme for 58 final-year B.Sc. (Agriculture/Horticulture) students from OUAT, SoA University, Sri Sri University, and Centurion University on 12 and 15 December 2025. The programme aimed to provide practical, hands-on learning on agricultural technologies and extension activities. Students were oriented on crop production practices, horticultural interventions, and ongoing demonstration programmes, along with interactive sessions with KVK scientists.

फार्मसी छात्रों द्वारा भ्रमण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 4 नवंबर 2025 को संथपुर परिसर में, कडेई स्थित ऑरोश्री इंस्टीट्यूट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के डिप्लोमा इन फार्मसी छात्रों के लिए एक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को औषधीय और सुगंधित पौधों के

Exposure Visit by Pharmacy Students

KVK, Cuttack hosted an exposure visit for Diploma in Pharmacy students of Aurosri Institute of Pharmaceutical Education and Research, Kadei, on 4 November 2025 at the Santhapur campus. The programme aimed to provide practical exposure to medicinal and aromatic plants. Dr. R.K. Mohanta

बारे में व्यावहारिक जानकारी देना था। डॉ. आर.के. मोहंता ने औषधीय पौधों के महत्व और उनके चिकित्सीय गुणों पर प्रकाश डाला, साथ ही कृषि को स्वास्थ्य विज्ञान से जोड़ने में उनकी भूमिका के बारे में भी बताया। छात्रों को विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधों, उनकी खेती के तरीकों और उनके औषधीय महत्व से परिचित कराया गया। श्रीमती बी. मौनिका ने छात्रों को कृषि विज्ञान केंद्र की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इस भ्रमण से छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि हुई और उनकी किताबी पढ़ाई तथा ज़मीनी स्तर पर उसके उपयोग के बीच का जुड़ाव और भी मज़बूत हुआ।



highlighted the importance and therapeutic value of medicinal plants and their role in linking agriculture with health sciences. Students were introduced to various medicinal plant species, their cultivation practices, and pharmacological importance. Mrs. B. Mounika briefed the students on KVK activities. The visit enhanced students' practical knowledge and strengthened the link between academic learning and field application.

कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा

KVK, Koderma

कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा में फ्रंट लाइन प्रदर्शन, ऑन-फार्म परीक्षण और विस्तार गतिविधियाँ

Front Line Demonstrations, On-Farm Trials, and Extension Activities at KVK Koderma



पूसा बायोफोर्ट (5 हैक्टर, 15 किसान), पूसा बायोफॉस (5 हैक्टर, 10 किसान), पारदर्शी PET बोतलों का इस्तेमाल (10 किसान), अर्क विकास, अर्क रक्षक और काशी अमन जैसी सब्जियों की किस्में (2 हैक्टर, 10 किसान), पॉलीथीन मल्टिंग और लो टनल के साथ मौसमी सब्जियाँ और फलों के पौधे (10 किसान), और सूती कपड़े (10 किसान) पर फ्रंट लाइन डेमोंस्ट्रेशन किए गए। इसके अलावा, किसानों को शामिल करते हुए छह ऑन-फार्म ट्रायल किए गए, ताकि टमाटर में फल छेदक के एकीकृत प्रबंधन, आलू में झुलसा रोग के खिलाफ आईडीएम मॉड्यूल, सरसों की बेहतर किस्मों के प्रदर्शन, घरेलू पोषण के लिए सहजन की पत्तियों के वैल्यू एडिशन, खाने योग्य कोर्टिक्स के ज़रिए नींबू की कटाई के बाद की गुणवत्ता में सुधार, और रागी-आधारित पोष्टिक खाद्य पदार्थ (पुस्ती रागी माल्ट और पुस्ती रागी हरिहित) के मूल्यांकन का आकलन किया जा सके; हर ऑन-फार्म ट्रायल 8-10 किसानों के खेतों में किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा ने मोबाइल सेवाओं, खेत और फार्म के दौरों, व्यक्तिगत संपर्कों और व्हाट्सएप के माध्यम से 287 मामलों में सलाहकार सेवाएं प्रदान कीं, जिससे आईएनएम, एचवाईवी, आईपीएम, आईडीएम, प्राकृतिक खेती, खरपतवार और नर्सरी प्रबंधन, मल्टिंग और सूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग से संबंधित मुद्दों पर 201 किसानों को लाभ हुआ। खेत-स्तर की समस्याओं को हल करने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र वैज्ञानिकों द्वारा चेहल, पहाड़पुर, पथलडीहा, आरगारो, उर्वा, सरदरोडीह और तरवन जैसे गांवों में कुल 48 किसान खेत दौरे आयोजित किए गए। किसानों और महिला किसानों के लिए उन्नत तकनीकों और वैज्ञानिक सब्जी खेती पर पंद्रह फिल्म शो आयोजित किए गए। 11.10.2025 को 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' के शुभारंभ के अवसर पर एक 'किसान गोष्ठी' आयोजित की गई, जिसमें 360 किसानों के साथ-साथ किसान मित्र, एटीएम और बीटीएम शामिल हुए; इस कार्यक्रम में शुभारंभ समारोह का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। इसके अतिरिक्त, उन्नत कृषि तकनीकों के प्रसार के लिए 'फील्ड डे', 'एक्सपोजर विजिट', 'डायग्नोस्टिक विजिट', किसानों की बैठकें और 'फील्ड डेमोंस्ट्रेशन' जैसी विभिन्न विस्तार गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

Front Line Demonstrations (FLDs) were conducted on Pusa Biofort (5 ha, 15 farmers), Pusa Biophos (5 ha, 10 farmers), use of transparent PET bottles (10 farmers), vegetable varieties such as Arka Vikas, Arka Rakshak and Kasi Aman (2 ha, 10 farmers), seasonal vegetables and fruit plants with polythene mulching and low tunnels (10 farmers), and cotton fabrics (10 farmers). In addition, six On-Farm Trials (OFTs) were undertaken involving farmers to assess integrated management of fruit borer in tomato, IDM modules against blight diseases in potato, performance of improved mustard varieties, value addition of moringa leaves for household nutrition, enhancement of post-harvest quality of lemon through edible coatings, and evaluation of ragi-based nutritious foods (Puști Ragi Malt and Puști Ragi Hurihittu), with each OFT conducted across 8-10 farmer locations.

KVK, Koderma provided advisory services in 287 cases through mobile services, field and farm visits, individual contacts, and WhatsApp, benefiting 201 farmers on issues related to INM, HYVs, IPM, IDM, natural farming, weed and nursery management, mulching, and micronutrient application. A total of 48 farmer field visits were conducted by KVK scientists in villages such as Chehal, Paharpur, Palthadiha, Aaragaro, Urva, Sardarodih, and Tarwan to address field-level problems. Fifteen film shows on improved technologies and scientific vegetable cultivation were organized for farmers and farm women. A Kisan Goṣṭhi was organized on 11.10.2025 on the occasion of the launch of the Prime Minister Dhan-Dhaanya Krishi Yojana, attended by 360 farmers along with Kisan Mitras, ATMs, and BTMs, including a live telecast of the launch event. In addition, various extension activities such as field days, exposure visits, diagnostic visits, farmers' meetings, and field demonstrations were conducted to disseminate improved agricultural technologies.

RESEARCH NOTE

Screening of rice varieties for phosphorus deficiency tolerance at the seedling stage

Phosphorus (P) is a vital macronutrient for plant growth and productivity; however, its deficiency poses a major limitation in rice cultivation, especially in P-depleted soils. To identify P-efficient donors at seedling stage, 130 rice varieties and germplasm, including tolerant checks (Kasalath, Swarna, Dular, and Rasi) and a susceptible check (IR64), were evaluated at the seedling stage under hydroponic culture across three phosphorus levels, P_0 , P_{50} and P_{100} . In P_0 , the source of phosphorus (potassium dihydrogen phosphate) is not added in the hydroponic media, while in P_{50} half the amount of the recommended P source is added and in P_{100} , the full recommended source is added as per the standard media constitution. The plants were grown in the nutrient solution for 21 days and data was recorded on shoot length, shoot fresh weight and shoot dry weight, root length, root surface area, root volume, root fresh weight, root dry weight and chlorophyll content for three treatments. Extensive phenotypic screening at the seedling stage revealed significant genetic variation in shoot traits under low-P stress (Figure 1). The varieties, CR Dhan 328, CR Sugandh Dhan 3, CR Dhan 911, VL Dhan 81, CR Dhan 202 and NDR 359 displayed superior performance for these traits as compared to the susceptible check IR64 under sufficient phosphorus supply (P_{100}), but its performance declined sharply under phosphorus-deficient conditions (P_0 and P_{50}). Molecular characterization using 16 gene-specific markers linked to the Pup1 QTL supported the phenotypic results. Phylogenetic clustering grouped these genotypes closer to the aus-type donor Kasalath, indicating shared allelic contributions for low-P tolerance. Statistical analysis, including descriptive statistics, variance estimation, and principal component analysis, revealed that shoot length and shoot biomass traits, along with root length and root surface area contributed the highest proportion of variation under P deficiency, collectively explaining over 60% of the total variability at the seedling stage. These findings highlight the genetic diversity present for P deficiency tolerance among rice varieties at the seedling stage and the varieties, CR Dhan 328, CR Sugandh Dhan 3, CR Dhan 911, VL Dhan 81, CR Dhan 202 and NDR 359 were identified as promising donors for the development of P-efficient rice cultivars through marker-assisted breeding for sustainable production in phosphorus-limited environments.



P_0



P_{50}

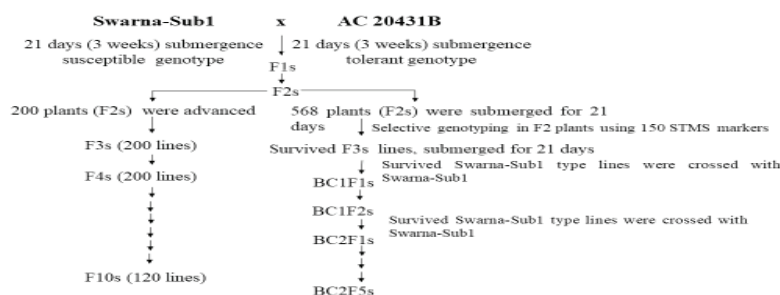


P_{100}

Reshmi Raj K.R, Snehasree Samanta, R.P. Sah,
J. Meher, Parmeswaran C, S.K. Dash, S. Samantaray
ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack, Odisha

Genomic region(s) for 21 days submergence tolerance in rice (*Oryza sativa* L.) using sequence-based trait mapping approach

Submergence, a major abiotic stress in low-lying rice ecosystems, depletes plant energy reserves during flash floods, resulting in mortality, yield loss, and severe threats to agricultural productivity. To address this, expanding direct seeding necessitates the development of rice cultivars with enhanced submergence tolerance, advantageous agronomic traits, and farmer-preferred quality characteristics. A key breakthrough in this context was the discovery of the *SUB1* quantitative trait locus (QTL) on chromosome 9, which imparts submergence tolerance through a distinctive quiescence strategy. Additional genes are required to be identified for imparting flood tolerance up to 21 days (3 weeks) or more because of regular flooding in India and South-East Asia due to climate change.



Schematic representation for development of mapping population for 21 days submergence tolerance in rice

To identify genes/QTLs in the mapping population [recombinant inbred lines (RILs) derived from Swarna-Sub1 × AC 20431B], 1K RiCA SNP genotyping was carried out using 1,094 SNP markers. QTLs for three traits: (i) survival percentage, (ii) total shoot elongation and (iii) chlorophyll content, were evaluated and analyzed using QTL IciMapping version 4.2. Among the 17 QTLs identified, two (*qSP-1.1* and *qSP-3.1*) were associated with survival percentage, four (*qTSE-3.1*, *qTSE-9.1*, *qTSE-11.1*, and *qTSE-12.1*) with total shoot elongation, and eleven (*qTCC-1.1*, *qTCC-2.1*, *qTCC-3.1*, *qTCC-4.1*, *qTCC-5.1*, *qTCC-6.1*, *qTCC-8.1*, *qTCC-9.1*, *qTCC-10.1*, *qTCC-11.1*, and *qTCC-12.1*) with chlorophyll content. Notably, two major QTLs for total shoot elongation were mapped on chromosomes 11 and 12, explaining 11.31% and 10.74% of the phenotypic variance, respectively. Moreover, among the 21 RILs exhibiting high survival (70–80%), 13 displayed short, bold, awnless grains resemble with Swarna-Sub1, making them potential candidates for direct varietal release or use as parental lines in breeding programs. Subsequently, the QTLs identified in this study warrant validation across diverse mapping populations and hold promise for introgression into elite cultivars to improve tolerance to 21 days flooding stress.

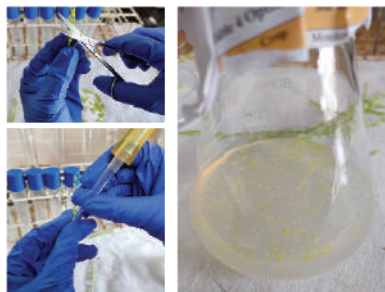
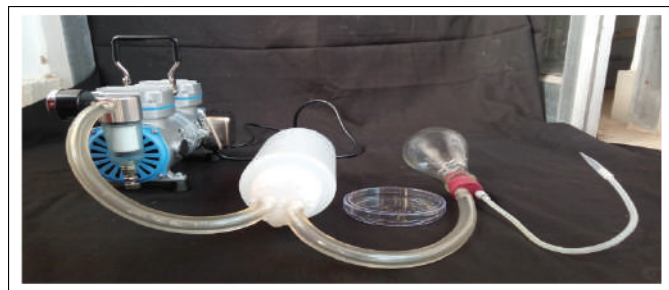
Jawahar Lal Katara, Nairita Baidya, Madhuchhanda Parida, Parmeswaran C, Ramlakhan Verma, Debakanta Nayak, Prachitara Rout, Biswaranjan Behera, S Samantaray
ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack, Odisha

Vacuum-based anther collection and culture system for rapid production of rice doubled haploids

Doubled haploid (DH) technology is a powerful tool for achieving complete homozygosity in rice within a single generation; however, its large-scale application is constrained by labor-intensive anther isolation and variable regeneration efficiency. The newly invented a novel vacuum-based anther collector/culture device (Fig. 1) (Indian Patent No.: 574471 date: 25.11.2025) coupled with a standardized androgenesis protocol addresses these limitations efficiently. The system consists of a collector/media container connected in series with a pressure modulator, preventing anther entry into the vacuum source while ensuring gentle and efficient collection. An adjustable, autoclavable nozzle enables precise isolation of anthers at the appropriate uni-nucleate microspore stage, validated using acetocarmine staining, thereby eliminating diploid contamination from anther walls or floral tissues.

Using this device, anthers are collected individually and directly deposited onto callus induction media, significantly increasing throughput (500-600 anthers per minute) compared to conventional manual tapping methods. The collector container may be used either empty for anther collection during crossing or pre-filled with culture medium for immediate androgenesis (Fig.2). Efficient callus induction was achieved with the development of compact embryogenic calli (2-3 mm) which were subsequently transferred to regeneration medium to promote green shoot regeneration and doubled haploid development.

This integrated device-protocol system reliably produces heterozygote-free doubled haploid plants with zero diploid contamination. From a commercialization perspective, the device is inexpensive to fabricate and substantially reduces the labor-intensive nature of anther culture. Furthermore, its adjustable design allows customization for use in crop systems beyond rice, extending its application to crossing and pollination by breeders for hybrid development. Collectively, this invention offers a scalable, cost-effective, and contamination-minimized solution for accelerating rice improvement and allied crop breeding programs.



Byomkesh Dash, Sudhansu Sekhar Bhuyan, Sanghamitra Samantaray, Amaresh Kumar Nayak, Ram Lakhan Verma, Awadhesh Kumar, Parmeswaran C., Devanna BN
ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack, Odisha

Controls of climate smart agricultural (CSA) practices in flood and cyclone-prone vulnerable regions

Information from 308 farmers covering 20 villages and 5 blocks of Kendrapada, Bhadrak, and Jagatsinghpur districts of Odisha was collected for this study. Information on various drivers controlling adoption of climate smart agricultural practices, such as, family factor (education, number of members, number of earning members), social factor (social affiliation, farming experience), land factor (land holding, leased in land, leased out land, share cropping, fallow land), financial factor (annual income, share of farm income in annual income, access to credit facility, availability of off farm job) were collected. The data was analysed for probit models. Specific adoption rate was less ($\leq 10\%$) for all climate smart agricultural technology except four technologies viz., rain water harvesting, drainage management, improved crop varieties and crop insurance in the studied area. This may be attributed to farmers' acceptability of new climate-smart agricultural (CSA) technologies, working beyond their comfort zone and risk in adopting new technologies. Social factors such as education, family literacy ratio and farm and economic factors such as cropping intensity, total land holding, farm income ratio showed positive association with the adoption and implementation of CSA practices in flood and cyclone vulnerable region. Number of training program, mass media, access to Govt Scheme also showed positive association. Distance from important agency and number of members in family showed negative association. Access to credit showed variable association with the adoption of CSA practices.

Dibyendu Chatterjee, Mohammad Shahid and Sudipta Paul
ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack, Odisha

Enrichment of Soil organic carbon and available nitrogen content through Brown manuring

Brown manuring is one of the important agronomic management practices, where along with the main crop a leguminous crop e.g. dhaincha (*Sesbania aculeata*) is grown and subsequently defoliate at tender stage by using a selective herbicide allowing the biomass to litter and decompose in situ. This practice provides effective soil cover for moisture conservation, weed control as well as fertility improvement of soil. To evaluate the brown manuring for enrichment of soil organic carbon (SOC) and available nitrogen (N) content in rice-based cropping system (RBCS) under drought prone rainfed ecology, soil samples were collected at two depths (surface; 0-15 cm and sub-surface; 15-30 cm) from the three years old experimental plot under rice-mustard cropping system having three fertilizer management (No fertilizer, 50% RDF and 100% RDF) and two manure options (without brown manuring and brown manuring). The results showed that brown manuring had a significant positive effect on both SOC content and available N content in soil. On an average brown manured plots have higher SOC (0.55%) and available N content (394 kg/ha) with compared to no manure plot (0.48% and 339 kg/ha respectively). Interactive effect of brown manuring and fertilizer management is also significant at different depth of soil and it was found that manured plot at 50% RDF is very similar to 100% RDF without manuring. Beside this, effect of brown manuring is also evident even at sub surface soil where enhancement in SOC and available N content was observed. Hence, brown manuring may be considered as a good and sustainable option to enhance the SOC and available N content in soil under drought prone rainfed rice-based cropping system.

Effect of brown manuring and fertilizer management on SOC and available N content

Fertilizers	No manuring			Manuring			Depth		
	Depth			Depth			Surface	Sub surface	Mean
	Surface	Sub surface	Mean	Surface	Sub surface	Mean			
SOC (%)									
T ₁	0.46	0.40	0.43	0.52	0.49	0.51	0.49	0.44	0.47
T ₂	0.52	0.45	0.49	0.59	0.49	0.54	0.56	0.47	0.51
T ₃	0.56	0.50	0.53	0.64	0.55	0.60	0.60	0.52	0.56
Mean	0.51	0.45	0.48	0.58	0.51	0.55	0.55	0.48	
CD (p=0.05)	F = 0.03; M = 0.02, D = 0.02, D x M = 0.03, D x F = 0.04, M x F = 0.04, F x M x D = 0.05								
Available N (kg/ ha)									
T ₁	299	260	279	356	314	335	327	287	307
T ₂	369	314	342	425	388	406	397	351	374
T ₃	438	354	396	470	410	440	454	382	418
Mean	369	309	339	417	371	394	393	340	
CD (p=0.05)	F = 14.9; M = 12.2, D = 12.2, D x M = 17.2, D x F = 21.1, M x F = 21.1, F x M x D = 29.8								

Note: Fertilizer management (No fertilizer (T₁), 50% RDF (T₂) and 100% RDF (T₃) where RDF (60:30:30 kg/ha)

B.C. Verma, S. Saha, S. Roy, S.M. Prasad, A. Banerjee, Priyamedha,
S. Bhagat, Arunkumara, C.G. and N.P. Mandal
CRURRS, ICAR-CRRI, Hazaribagh

सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/शीतकालीन पाठ्यक्रम/प्रदर्शनी/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/बैठकों में प्रतिभागिता
Seminar/ Symposia/ Workshop/ Winter School/ Exhibition/ Training Programmes/ Meetings attended

Sl. No.	Particulars	Date	Participants
1.	Attended as Subject Expert in the Selection Committee Meeting at BAU, Kanke, Ranchi	08 October 2025	Dr. G.A.K. Kumar
2.	Attended the meeting with DG, ICAR and hearing before Hon'ble Chairman, NCSC, New Delhi	03-04 November 2025	Dr. G.A.K. Kumar
3.	Monitoring of AICRIP trials at Ranchi, Hazaribag, Hathwara and Bankura	04-07 November 2025	Dr. NP Mandal, Dr. S Bhagat
4.	Online training programme on ' <i>Restricted Use of Glyphosate by PCOs</i> ' organized by the National Institute of Plant Health Management, Hyderabad	12 November 2025	Dr. Rajan Kamboj
5.	Inspection for hand holding of seed villages as technical committee member of Jharkhand State Agricultural Development Corporation Limited	12 November 2025	Dr. Priyamedha
6.	Attended the Research Advisory Committee (RAC), meeting of ICAR- Indian Institute of Rice Research, Hyderabad	13 November 2025	Dr. G.A.K. Kumar
7.	Attended a workshop on ' <i>Mainstreaming Regenerative Agriculture Practices in the Vegetable Oil and Supply Chain; Opportunities</i> ' enabled by NORVOS organized by Solidaridad Foundation at Mayfair Hotel, Bhubaneswar	24 November 2025	Dr. D.R. Sarangi
8.	2 nd International Extension Education Congress (IEEC-2025)	24-26 November 2025	Dr. Bhoopendra Singh
9.	Attended a meeting with Dr. Praveen Malik, Chief Executive Officer (CEO), Agrinnovate, India at New Delhi	1-2 December 2025	Dr. G.A.K. Kumar
10.	Participated in the MoU Exchange between ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack with Tamil Nadu Food Processing and Agricultural Export event in the presence of Hon'ble Chief Minister, Tamil Nadu at Madurai	7 December 2025	Dr. G.A.K. Kumar
11.	Attended as an Expert in the Interview Board for Selection of Additional Director Extension Education at BAU, Ranchi	9 December 2025	Dr. G.A.K. Kumar
12.	Rabi Workshop on Plant Protection	12-13 December 2025	Dr. Someshwar Bhagat Dr. Soumya Saha
13.	Participated in the ' <i>Knowledge Exchange Initiatives on Kisan Sarathi 2.0 for FPOs and Progressive Farmers</i> ' at KVK, Puri organized by ATARI, Kolkata	16 December 2025	Dr. R.K. Mohanta and Shri P Pradhan
14.	Visited to ICAR-CRRI Regional Station Regional Coastal Rice Research Station (RCRRS), Naira, Srikakulam, Andhra Pradesh	19 December 2025	Dr. G.A.K. Kumar
15.	Kissan Divas programme arranged by RCER regional station, Ranchi	23 December 2025	Dr. Bhoopendra Singh
16.	Attended MAATI 2025 workshop by Agrimeet 2025 in online mode	5-14 December 2025	Dr. Debrup Ghosh, Dr. Nupur Choudhary, Dr. Chanchila Kumari, Dr. Bhoopendra Singh
17.	Pre-distribution Training cum Kisan Gosthi on "Use and operation of Paddy Pedal Thresher and battery-operated backpack sprayer" for the beneficiaries of Asiya, Ledahi, Alaunja Khurd, Charhi and Bhelwatand villages under SCSP	27 November, 2025; 4-5 December 2025	Dr. N. P. Mandal, Dr. Soumya Saha, Mr. Jitendra Prasad

पुरस्कार

Award

- डॉ. डी. चटर्जी को 2-5 दिसंबर 2025 के दौरान "दिल्ली में विज्ञान सप्ताह का उत्सव-2025" में कृषि विज्ञान के अंतर्गत INSA विशिष्ट व्याख्यान फेलोशिप (2025) पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- डॉ. प्रियमेधा को 16-18 नवंबर 2025 के दौरान "कृषि और पशु चिकित्सा: परिवर्तनकारी दृष्टिकोण, अनुसंधान और नवाचार मंच" पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च द्वारा "प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।
- डॉ. अमृता बनर्जी को 8 दिसंबर, 2025 को आईसीएआर-एनआईवी, पुणे में आयोजित VIRCON-2025 के दौरान, वर्ष 2025 के लिए "पादप विषाणु विज्ञान" के क्षेत्र में उनके योगदान हेतु "इंडियन वायरोलॉजिकल सोसाइटी फेलो 2025" से सम्मानित किया गया।
- Dr. D. Chatterjee received INSA Distinguished Lecture Fellowship (2025) under Agricultural Sciences at "Celebration of Science Week at Delhi-2025" during 2-5 December 2025.
- Dr. Priyamedha awarded Eminent Scientist Award" by Indian society of agricultural science & technology research (ISASTR) during International Conference on "Agriculture & Veterinary: Transformative approach, Research & Innovations Forum during 16-18 November 2025.
- Dr. Amrita Banerjee awarded Indian Virological Society Fellow 2025" for her contribution in the field of Plant Virology for the year 2025 during VIRCON-2025 at ICMR-NIV, Pune on 8 December 2025.

रेडियो वार्ता

Radio Talk

- डॉ. आर.के. मोहंता ने 10 नवंबर 2025 को शाम 7:30 बजे 'कृषि संसार' कार्यक्रम में, जिसका प्रसारण ऑल इंडिया रेडियो, कटक द्वारा किया गया था, "पशुधन की शीतकालीन देखभाल के विभिन्न पहलुओं" पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. डी. आर. सड़गी ने 20 नवंबर 2025 को शाम 7:30 बजे 'कृषि संसार' कार्यक्रम में, ऑल इंडिया रेडियो, कटक द्वारा प्रसारित "प्राकृतिक खेती में कीट नियंत्रण में बायोलॉजिकल्स की भूमिका" विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- Dr. R.K. Mohanta delivered a talk on the "Different Aspects of Winter Care in Livestock" broadcasted by All India Radio, Cuttack in the Krushi Sansar programme at 7:30 PM on 10 November 2025.
- Dr. D.R. Sarangi delivered a talk on the "Role of Biologicals in Pest Control in Natural Farming" broadcasted by All India Radio, Cuttack in the Krushi Sansar programme at 7:30 PM on 20 November 2025.

Publication

- Arunkumara C G, Jagadish K S, Manjuprakash and Keerthi M C. (2025 online). Unlocking Local Wisdom: Indigenous Techniques and Farmer Innovations in Beekeeping in Karnataka. *Indian Journal of Entomology*, 88: 710-714.
- Bhagirath Ram, VV Singh, Vinod Kumar, Reema Rani, MS Sujith Kumar, HK Sharma, Arun Kumar, BL Meena, LK Meena, Priyamedha, KH Singh and PK Rai. 2025. Morpho-physiological variability and stability of early maturing thermotolerant Indian mustard (*Brassica juncea* L. Czern & Coss) genotypes for seed yield under heat stress condition in semi-arid region of India. *Journal of Oilseed Brassica* 16 (2), 158-164. NAAS- 4.78.
- Chanchila Kumari, Bhoopendra Singh, A.K. Rai and Manish Kumar (2025). *Influence of various mulch types on early nursery growth under rainfed conditions of Koderma, Jharkhand*. International Journal of Research in Agronomy, Special Issue 8(12): 360-361. (IF: 5.20)
- Chanchila Kumari, Bhoopendra Singh, A.K. Rai and Manish Kumar (2025). *Influence of various mulch types on early nursery growth under rainfed conditions of Koderma, Jharkhand*. International Journal of Research in Agronomy, Special Issue 8(12): 313-315. (IF: 5.20)
- Chanchila Kumari, Bhoopendra Singh, A.K. Rai, Vinay Kumar, Nupur Choudhary and Debrup Ghosh (2025). *Sustainable rainfed rice production: Role of contingent niger in upland rice systems of Koderma district, Jharkhand*. Journal of Community Mobilization and Sustainable Development, 20(4): 1-5. (IF: 5.29)
- Chanchila Kumari, Jyoti Sinha, Nupur Choudhary and A.K. Rai (2025). *Bridging research and practice through extension-led dissemination of food processing technologies*. International Journal of Advanced Biochemistry Research, Special Issue 9(12): 1504-1508.
- Chanchila Kumari, Jyoti Sinha, Nupur Choudhary, A.K. Rai and Debrup Ghosh (2025). *Role of bioactive compounds in improving food quality and consumer health outcomes*. International Journal of Agriculture Extension and Social Development, 8(12): 605-609.
- Chanchila Kumari, Nupur Choudhary, Jyoti Sinha and A.K. Rai (2025). *Exploring functional food ingredients for enhancing human health and disease prevention*. International Journal of Research in Agronomy, Special Issue 8(12): 516-520.
- Jyoti Sinha, Chanchila Kumari, Nupur Choudhary, A.K. Rai and Debrup Ghosh (2025). *Advances in food processing technologies for improving nutritional quality and shelf stability*. International Journal of Agriculture Extension and Social Development, 8(12): 610-614.
- Manish Kumar, N.P. Mandal, Bhoopendra Singh, A.K. Rai and Vinay Kumar (2025). *Characterization of Gora population of rice (*Oryza sativa* L.) for yield and its attributes using principal component analysis*. International Journal of Research in Agronomy, Special Issue 8(12): 362-364. (IF: 5.02)
- Sahoo TR, Mohanta RK, Sethy S, Sarangi DR, Kamboj R. 2025. Effect of integrated nutrient management practices on enhancing productivity in brinjal (*Solanum melongena* L.). *Journal of Krishi Vigyan*. 13 (3): 528-533.

- Uday, K., Pandey, A., Bhadana, V. P., Roy, S., Sharma, H. K., Kerketta, R., and Choudhary, S. B. (2025). Low phosphorus response and allelic footprints in paddy (*Oryza sativa* L.) landraces from the Chhotanagpur plateau, India: implications for crop genetics and nutrient management. *Journal of Crop Science and Biotechnology*, 1-12.

Popular Article

- Priyamedha, S. Saha, B. C. Verma, S. Roy, A. Banerjee and N.P. Mandal (2025). Rabi Paddy in Jharkhand- Scope, Practices, and Challenges. *Agri Gate- An International Multidisciplinary e-Magazine*. 05 (11): 262-267.
- Priyamedha, B. C. Verma, Somnath Roy, Amrita Banerjee, Saumya Saha, Arunkumara C.G. and N.P. Mandal. 2025. Agro-Technological Insights into Rice Cultivation under DSR Systems. *Agriculture and Food e-Newsletter*. 07 (11): 52-55.
- Mohanta RK. 2025. Lighting: stay informed and save life. *Science Horizon* 10 (7): 299-305.

नियुक्ति

- डॉ. विश्वबिप्लव सिंह ने 27 अक्टूबर 2025 को भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में वैज्ञानिक (पौध पशु शरीरक्रिया विज्ञान) के पद पर कार्यभार संभाला।
- डॉ. (सुश्री) शोभारानी एम्. ने 27 अक्टूबर 2025 को भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में वैज्ञानिक (बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) के पद पर कार्यभार संभाला।
- श्री जयप्रकाश पी.टी. ने 1 दिसंबर 2025 को भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

पदोन्नति/ इस्तीफा

- श्री संतोष कुमार सतपथी, सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी को सीआईएआरआई, पोर्ट ब्लेयर में वित्त एवं लेखा अधिकारी के पद पर कार्यभार ग्रहण हेतु 14 अक्टूबर 2025 के दिन भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक से कार्यमुक्त किया गया।
- श्रीमती सिकिमोनी बरुआ, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी-6); श्री दिबाकर खान, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी-6); श्री टोलन कुमार बोराह, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी-6); और श्री भूपेन कलिता, वरिष्ठ तकनीशियन (टी-2) का स्थानांतरण 27 अक्टूबर 2025 को आरआरएलआरआरएस, गेरुआ से आईएआरआई, असम में किया गया।
- डॉ. कंचन साइकिया, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि कीट विज्ञान), का स्थानांतरण 30 नवंबर 2025 को आरआरएलआरआरएस, गेरुआ से आईएआरआई, असम में किया गया।
- श्री प्रभाकर कुमार विश्वकर्मा, तकनीशियन (टी-1), ने 1 दिसंबर 2025 को त्यागपत्र दे दिया और उन्हें कार्यमुक्त कर दिया गया।
- श्री नरेंद्र सिंह, तकनीशियन (टी-1), ने 5 दिसंबर 2025 को त्यागपत्र दे दिया और उन्हें कार्यमुक्त कर दिया गया।

सेवानिवृत्ति



डॉ. (श्रीमती) संधामित्रा सामंतराय, प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, फसल उन्नयन प्रभाग, 31 अक्टूबर 2025 को सेवानिवृत्त हुईं।

श्री रामाश्रय पासवान, निजी सचिव, सीआरयूआरएस, हज़ारीबाग 30 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त हुए।

Appointment

- Dr. Biswabiplab Singh, Scientist (Plant Physiology) joined at ICAR-CRRI, Cuttack on 27 October 2025.
- Dr. (Ms.) Shobharani M., Scientist (Seed Science & Technology) joined at ICAR-CRRI, Cuttack on 27 October 2025.
- Shri Jayprakash P.T., joined to the post of Assistant Finance & Accounts Officer at ICAR-CRRI, Cuttack on 1 December 2025.

Transfer/ Resignation

- Shri Santosh Kumar Satapathy, AF&AO relieved from ICAR-CRRI, Cuttack on 14 October 2025 to join the post of F&AO at ICAR-CIARI, Port Blair.
- Smt. Sikimoni Baruah, Senior Technical Officer (T-6), Mr. Dibakar Khan, Senior Technical Officer (T-6), Shri Tolan Kumar Borah, Senior Technical Officer (T-6) and Shri Bhupen Kalita, Senior Technician (T-2) transfer from RRLRRS, Gerua to IARI, ASSAM on 27 October 2025.
- Dr. Kanchan Saikia, Principal Scientist (Agril. Entomology) transferred from RRLRRS, Gerua to IARI-Assam on 30 November 2025.
- Shri Prabhakar Kumar Vishwakarma, Technician (T-1) resigned and relieved on 1 December 2025.
- Shri Narendar Singh, Technician (T-1) resigned and relieved on 5 December 2025.

Retirement



Dr. (Mrs.) Sanghamitra Samantaray, Principal Scientist and Head, Crop Improvement Division retired on 31 October 2025.

Shri Ramashray Paswan, Private Secretary, CRURRS, Hazaribag retired on 30 November 2025.

निदेशक की कलम से From Director's Desk

साइलो से समाधान तक: चावल प्रणालियों को बदलने के लिए सीआरआरआई का नया शोध मॉडल

From Silos to Solutions: How CRRI's New Research Model Will Transform Rice Systems



दशकों से, कृषि अनुसंधान अलग-अलग हिस्सों में किया जाता रहा है। अक्सर, ब्रीडर नई किस्में विकसित करते थे, कृषि विज्ञानी खेती के तरीकों को बेहतर बनाते थे और अर्थशास्त्री बाजारों का अध्ययन करते थे—ये सभी काम लगभग समानांतर रूप से चलते थे। हालाँकि इस क्षेत्रीय दृष्टिकोण से काफी फायदे हुए, लेकिन आज भारतीय कृषि के सामने जो जटिल और आपस में जुड़ी चुनौतियाँ हैं, वे एक अलग दृष्टिकोण की माँग करती हैं। केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान अपने पारंपरिक अनुसंधान कार्यक्रम के दृष्टिकोण को बदलने के एक साहसी प्रयास के साथ इस माँग का प्रयास कर रहा है। हाल ही में शुरू किए गए 'रणनीतिक अनुसंधान मंच' (Strategic Research Platforms) अलग-थलग परियोजनाओं से हटकर, एकीकृत और मिशन-आधारित समाधानों की ओर एक बुनियादी बदलाव को दर्शाते हैं। यह केवल एक पुनर्गठन नहीं है; यह एक ऐसा आमूलचूल बदलाव है जिसे संस्थान के समाज और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव में एक बड़ा परिवर्तन लाने के लिए परिकल्पना किया गया है।

इस बदलाव का मूल, विषयों से जुड़े संकीर्ण सवालों की जगह व्यापक और सिस्टम-स्तर के सवाल पूछने में निहित है। अलग-अलग यह पूछने के बजाय कि "हम पैदावार कैसे बढ़ा सकते हैं?" (प्रजनन प्रभाग) या "हम पानी का इस्तेमाल कैसे कम कर सकते हैं?" (सस्यविज्ञान प्रभाग), 'रणनीतिक अनुसंधान मंच' यह पूछते हैं: "हम चावल उत्पादन का एक ऐसा सिस्टम कैसे डिज़ाइन कर सकते हैं जो कम पानी में ज्यादा पैदावार दे, कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जित करे, और जलवायु के झटकों को झेल सके?" 'रणनीतिक अनुसंधान मंच-1: जलवायु-स्मार्ट सिस्टम' का यह अकेला सवाल, स्वाभाविक रूप से ब्रीडर्स, मृदा वैज्ञानिकों, मौसम वैज्ञानिकों, जल इंजीनियरों और सामाजिक-अर्थशास्त्रियों से यह अपेक्षा करता है कि वे पहले दिन से ही

For decades, agricultural research has been conducted in silos. Often, breeders developed new varieties agronomists perfected field practices, and economists studied markets—all in a relative parallel. While this sectorial approach yielded significant gains, the complex, interconnected challenges facing Indian agriculture today demand a different approach. The Central Rice Research Institute (CRRI) is answering this call with a bold attempt to change the approach from its traditional research programme. The newly unveiled Strategic Research Platforms (SRPs) represent a fundamental shift from isolated projects to integrated, mission-driven solutions. This is not merely a restructuring; it is paradigm shift designed to create sea change in the institute's impact on society and the environment.

The heart of this transformation lies in replacing narrow disciplinary questions with broad, systems level ones, instead of asking "How can we increase yield" (Breeding Division) or "How can we reduce water use?" (Agronomy Division) in isolation, the SRPs ask, "How can we design a rice production system that yields more with less water, emits fewer greenhouse gases, and withstands climate shocks?" This single question from SRP-1: Climate-Smart Systems inherently requires breeders, soil scientists, meteorologists, water engineers, and socio-economists to co-design the answer from day one. This

मिलकर इस सवाल का जवाब तैयार करें। यही 'रणनीतिक अनुसंधान मंच' दृष्टिकोण का सार है: समस्या ही टीम तय करती है, न कि विभागीय सीमाएँ।

इस एकीकरण का सामाजिक प्रभाव बहुत गहरा होगा। एक किसान की असलियत पर गौर करें। वह किसी "नई किस्म" या "पानी बचाने की तकनीक" को अलग-अलग, अमूर्त तकनीकों के तौर पर नहीं अपनाता। वह अपने खास खेत के लिए एक पूरा पैकेज अपनाता है—एक ऐसी किस्म जो मौसम की मार झेल सके और जिसे सटीक सिंचाई से संभाला जाए; जिसकी फसल की सेहत पर एआई-अलर्ट्स के जरिए नज़र रखी जाए; जिसकी कटाई एक ऐसे वैल्यू चेन से जुड़ी हो जिसे टैक किया जा सके, ताकि उसे बेहतर कीमत मिले; और जिसके टिकाऊ तरीकों से उसे कार्बन क्रेडिट्स मिल सकें—इनमें से हर तरीके/रणनीति को अलग-अलग 'रणनीतिक अनुसंधान मंचों' में संभाला जाता है। 'रणनीतिक अनुसंधान मंच' मॉडल को इसी तरह से डिज़ाइन किया गया है कि वह किसानों को ये एकीकृत और किसान-केंद्रित समाधान मुहैया करा सके। हर मंच में सामाजिक-आर्थिक और व्यवहारिक अनुसंधान को शामिल करके, अपनाने में आने वाली रुकावटों को शुरू में ही दूर कर दिया जाता है: जिससे यह पक्का होता है कि तकनीकें सिर्फ कागज़ों पर ही न रहें, बल्कि किसानों के खेतों में भी फल-फूलें, और सीधे तौर पर उनकी आमदनी और रोज़ी-रोटी को बढ़ावा दें।

पर्यावरणीय स्थिरता नई रणनीति के डीएनए में ही रची-बसी है। पुराने मॉडल में अक्सर पर्यावरणीय लक्ष्यों को बाहरी बाधाओं या अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के तौर पर देखा जाता था। 'स्ट्रेटिजिक रिसर्च प्लेटफॉर्म' के फ्रेमवर्क में, मीथेन में कमी, जल संरक्षण और मिट्टी के स्वास्थ्य जैसे लक्ष्य मुख्य प्रदर्शन संकेतक और नवाचार के वाहक हैं। एसआरपी-1 और एसआरपी-4 "कार्बन-न्यूट्रल चावल" के लिए प्रोटोकॉल तैयार करेंगे, जिससे धान के खेत उत्सर्जन के स्रोतों से बदलकर कार्बन सिंक बन जाएंगे। एसआरपी-3 का डिजिटल MRV (मापन, रिपोर्टिंग और सत्यापन) प्लेटफॉर्म इन पर्यावरणीय लाभों को पारदर्शी और सत्यापन योग्य बनाएगा, जिससे 'ग्रीन फाइनेंस' के रास्ते खुलेंगे। यह सीआरआरआई को न केवल एक खाद्य सुरक्षा संस्थान के रूप में, बल्कि भारत के 'नेट जीरो' और जल सुरक्षा से जुड़े लक्ष्यों को हासिल करने में एक अहम भागीदार के रूप में स्थापित करता है।

सबसे अहम बात यह है कि यह गहन विज्ञान को छोड़ने जैसा नहीं है, बल्कि इसे एक नई दिशा देने जैसा है। एसआरपी-9: बेसिक और फंडामेंटल रिसर्च, इस पूरे काम के लिए खोज के इंजन का काम करता है। यह बुनियादी "क्यों" और "कैसे" वाले सवाल पूछता है—जैसे चावल के पौधे की स्ट्रेस मेमोरी को समझना या उसकी जड़ों के माइक्रोबायोम को तैयार करना—ताकि ऐसी क्रांतिकारी अंतर्दृष्टियाँ मिल सकें जो भविष्य में एप्लाइड प्लेटफॉर्म को शक्ति देंगी। यह सुनिश्चित करता है कि एसआरपी मॉडल टिकाऊ बना रहे, जिसे अगली पीढ़ी के विज्ञान की एक निरंतर धारा से पोषण मिलता रहे।

एसआरपी की असली सफलता को जर्नल में छपे लेखों से नहीं, बल्कि ठोस नतीजों से मापा जाएगा: ज्यादा मज़बूत किसान समुदाय, ज्यादा सेहतमंद इकोसिस्टम, और चावल का एक ज्यादा समृद्ध और टिकाऊ क्षेत्र। यह इस बात को पहचानता है कि खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और ग्रामीण विकास की चुनौतियाँ आपस में गहराई से जुड़ी हुई हैं। अपनी अंदरूनी रुकावटों को हटाकर, सीआरआरआई ऐसे मिले-जुले समाधान तैयार कर रहा है जिनकी भारत के किसानों और ज़मीनों को सख्त ज़रूरत है। अलग-अलग कार्यक्रमों से मिलकर काम करने वाले मंचों की ओर उठाया गया यह रणनीतिक कदम, सार्वजनिक कृषि अनुसंधान के असर को नए सिरे से परिभाषित करने का वादा करता है, और यह पक्का करता है कि सीआरआरआई की सेवा की विरासत 21^{वीं} सदी में भी फलती-फूलती रहे।

the essence of the SRP approach: problems define the team, not departmental boundaries.

The societal impact of this integration will be profound. Consider a farmer's reality. He doesn't adopt a "new variety" or a "water-saving technique" as separate, abstract technologies. He adopts a complete package for his specific field—a climate-resilient variety managed via precision irrigation, with her crop health monitored by AI-alerts, her harvest linked to a traceable value chain for a better price, and her sustainable practices potentially earning carbon credits each approach/strategies dealt in different SRPs. The SRP model is engineered to deliver these integrated, farmer-centric solutions. By embedding socio-economic and behavioral research into every platform, adoption barriers are addressed upfront; ensuring technologies don't just exist on paper but thrive in farmers' fields, directly boosting income and livelihoods.

Environmental sustainability is woven into the DNA of the new strategy. The old model often saw environmental goals as external constraints or separate projects. In the SRP framework, goals like methane reduction, water conservation, and soil health are core performance indicators and drivers of innovation. SRP-1 and SRP-4 will generate protocols for "carbon-neutral rice", turning paddy fields from emission sources into carbon sinks. SRP-3's digital MRV (Measurement, Reporting, and Verification) platform will make these environmental benefits transparent and verifiable, unlocking green finance. This positions CRRRI not just as a food security institute, but as a critical partner in achieving India's Net Zero and water security commitments.

Crucially, this is not an abandonment of deep science, but its reorientation. The SRP-9: Basic and Fundamental Research serves as the discovery engine for the entire enterprise. It asks the foundational "why" and "how" questions—decoding the rice plant's stress memory or engineering its root microbiome—to provide the revolutionary insights that will power the applied platforms in the future. This ensures the SRP model is sustainable, fed by a pipeline of next-generation science.

The ultimate success of the SRPs will be measured not in journal publications, but in tangible outcomes: more resilient farming communities, healthier ecosystems, and a more prosperous and sustainable rice sector. It is a recognition that the challenges of food security, climate change, and rural development are inextricably linked. By breaking down its internal walls, CRRRI is building the integrated solutions that India's farmers and landscapes desperately need. This strategic leap from sectoral programmes to synergistic platforms promises to redefine the impact of public agricultural research, ensuring CRRRI's legacy of service continues to flourish in the 21st century.

संपर्क :

निदेशक, भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान

कटक 753 006, ओडिशा, भारत

दूरभाष: 91-671-2367768-83 | फ़ैक्स: 91-671-2367663

ईमेल: director.nrri@icar.gov.in | director@icarricutack@gmail.com

यूआरएल: www.icar-nrri.in

Contact :

Director, ICAR-Central Rice Research Institute

Cuttack 753 006, Odisha India

Phone: 91-671-2367768-83 | Fax: 91-671-2367663

Email: director.nrri@icar.gov.in | director@icarricutack@gmail.com

URL: www.icar-nrri.in

निदेशक: डॉ.जी ए के कुमार

संपादन एवं समन्वयन :

संकलन :

हिंदी अनुवाद :

प्रारूप :

बी मंडल

संध्या रानी दलाल

बी के महांती

एस के सिन्हा

Director : G A K Kumar

Editing & Coordination : B Mondal

Compilation : Sandhya Rani Dalal

Hindi Translation : B K Mohanty

Layout : S K Sinha